twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 05 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 260, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को सुप्रीम फटकार

सच्चे भारतीय होते तो ऐसा नहीं कहते; आपको पता कैसे चला?

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना पर टिप्पणी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहेंगे। कोर्ट ने राहुल गांधी से पूछा कि उन्हें कैसे पता चला कि 2000 वर्ग किलोमीटर भूमि पर चीन ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय सामग्री है?

विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें

सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचने की नसीहत देते हुए कहा, आप विपक्ष के नेता हैं, संसद में अपनी बात कहें, सोशल मीडिया पर नहीं। बता दें कि सेना पर टिप्पणी करने के इस मामले में समन के खिलाफ राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस दौरान राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता मुद्दे नहीं उठा सकते, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी। अभिषेक सिंघवी ने कहा, अगर वह प्रेस में छपी ये बातें नहीं कह सकते, तो वह विपक्ष के नेता नहीं हो सकते। पीठ की सच्चे भारतीय टिप्पणी पर अभिषेक सिंघवी ने जवाब दिया, यह भी संभव है कि एक सच्चा भारतीय कहे कि हमारे 20 भारतीय सैनिकों को पीटा गया और मार डाला गया। यह भी चिंता का विषय है।

राहुल गांधी के पास एक उचित मंच मौजूद था

इसके बाद शीर्ष अदालत ने कहा, जब सीमा पार संघर्ष होता है, तो क्या दोनों पक्षों में हताहत होना असामान्य है? इस पर अभिषेक सिंघवी ने कहा कि राहुल गांधी केवल उचित जानकारी देने और सूचना के दमन पर चिंता जताने की बात कर रहे थे।

न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि एक जिम्मेदार विपक्ष नेता होने के नाते, राहुल गांधी को ऐसा नहीं करना चाहिए था क्योंकि ऐसे सवाल उठाने के लिए एक उचित मंच मौजूद था। इस बात से सहमत होते हुए कि राहुल गांधी बेहतर तरीके से टिप्पणी कर सकते थे, अभिषेक सिंघवी ने कहा कि शिकायत याचिकाकर्ता को परेशान करने के प्रयास के अलावा और कुछ नहीं है। इस दौरान उन्होंने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 223 का हवाला दिया और कहा कि अदालत की तरफ से किसी आपराधिक शिकायत का संज्ञान लेने से पहले अभियुक्त की पूर्व सुनवाई अनिवार्य है, जो वर्तमान मामले में नहीं की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के बारे में कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एक जिले की अदालत में चल रही कार्यवाही पर रोक भी लगा दी।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन, गंगा राम अस्पताल में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का सोमवार सुबह सर गंगा राम अस्पताल में निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे। शिबू सोरेन किडनी से जुड़ी बीमारी के चलते पिछले एक महीने से अस्पताल में भर्ती थे। सर गंगा राम अस्पताल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि शिबू सोरेन को आज सुबह 8:56 बजे मृत घोषित कर दिया गया। लंबी बीमारी के बाद उनका निधन हो गया। वे किडनी की बीमारी से पीड़ित थे और डेढ़ महीने पहले उन्हें स्ट्रोक भी हुआ था। पिछले एक महीने से वे लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे। शिबू सोरेन के पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद दिल्ली में मौजूद हैं। हेमंत सोरेन ने अपने पिता के निधन की जानकारी साझा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत तमाम नेताओं ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कहा, श्री शिबू सोरेन जी का निधन सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है।

बारिश से क्षतिग्रस्त फसलों के नुकसान का जल्द करें आकलन: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह

एजेंसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में लगातार हो रही बारिश के दृष्टिगत वे अपनी पूरी टीम के साथ लगातार ग्राउंड जीरो पर रहें। मुख्यमंत्री ने जलभराव की स्थिति से निपटने और बारिश से क्षतिग्रस्त फसलों के नुकसान का शीघ्र आकलन करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री धामी यहां वर्चुअली समीक्षा बैठक के दौरान राज्य के सभी जिलाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि के कारण सड़कों के बाधित होने की स्थिति में उन्हें शीघ्र सुचारु करने, क्षतिग्रस्त पेयजल और विद्युत लाइनों को यथाशीघ्र ठीक कराने की व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के संपर्क मार्ग बाधित होने की स्थिति में लोगों के आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूर्व से करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि वर्षा के कारण फसलों को हुई क्षति का शीघ्र आकलन किया जाए। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन लोगों ने गलत तरीके से राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड, आयुष्मान कार्ड और अन्य दस्तावेज प्राप्त किए हैं, तथा ऐसे कार्ड बनाने में संलिप्त व्यक्तियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। साथ ही, जनपदों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी नियमित रूप से की जाए। ऑपरेशन कालनेमी के अंतर्गत भी आस्था की आड़ में जनता को गुमराह करने वालों पर नियमित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जनपदों के शासकीय अस्पतालों का नियमित निरीक्षण करें। इसमें दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति, उपकरणों की स्थिति और स्वच्छता व्यवस्था जैसे विषय सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे स्वयं भी समय-समय पर अस्पतालों का औचक निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि बारिश के बाद अवस्थापना विकास से संबंधित कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए।

वाराणसी में बाढ़ से बिगड़े हालात, शहरी इलाकों में घरों तक पहुंचा पानी

एजेंसी

वाराणसी। पहाड़ों और मैदानी इलाकों में भारी बारिश से उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी विकराल रूप धारण किये है। गंगा की रौद्र लहरें खतरे के निशान 71.26 मीटर को दो दिन पहले ही पार कर बाढ़ के उच्चतम बिंदु 73.901 मीटर तक पहुंच चुकी है। गंगा का पानी शहरी इलाकों तक पहुंच कर घरों में घुसने लगा है जिससे लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। मणिकर्णिका घाट पर शवों को

अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म तक नाव से ले जाना पड़ रहा है। बाढ़ में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन सतर्क है। प्रभावित इलाकों में राहत व बचाव कार्य चलाया जा रहा है। केन्द्रीय जल आयोग से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को वाराणसी में गंगा का जलस्तर 72 मीटर पार कर गया।

सुबह आठ बजे गंगा का जलस्तर 72.03 मीटर दर्ज किया गया। जलस्तर में लगातार औसतन एक सेंटीमीटर प्रति घंटे की वृद्धि हो रही है। बीते 24 घंटों में गंगा 57 सेंटीमीटर चढ़ी है। गंगा का पानी घाटों को पार करने के बाद अब शहरी इलाकों में घुसने लगा है। दशाश्वमेध, शीतला घाट से होते हुए पानी चितरंजन पार्क, सामने घाट से बीएचयू ट्रॉमा सेंटर, गंगोत्री विहार, नगवा और सामनेघाट की कालोनियों तक पहुंच गया है। इन क्षेत्रों में घुटनों से ऊपर जलभराव हो चुका है। मणिकर्णिका घाट की गलियों में नावें चल रही हैं और शवों को अंतिम संस्कार के लिए प्लेटफॉर्म तक नाव से ले जाया जा रहा है। हरिश्चंद्र घाट पर भी अंतिम संस्कार गलियों में किया जा रहा है, जिससे धार्मिक कार्यों में भारी दिक्कतें पेश आ रही हैं।

कांग्रेस की महिला सांसद से झपटी चेन

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले के चाणक्यपुरी स्थित पोलैंड एम्बेसी के नजदीक स्कूटी सवार बदमाश कांग्रेस की महिला सांसद सुधा रामकृष्णन की सोने की चेन झपट कर फरार हो गया। घटना उस समय हुई जब वह तमिलनाडु की एक अन्य महिला सांसद के साथ सुबह की सैर पर निकली थीं। गवाहों के अनुसार, संदिग्ध स्कूटी चालक ने सांसद के निकट आकर धीमी गति कर वारदात को अंजाम दिया। चेन छीनने के बाद सांसद ने शोर मचाकर मदद की गुहार लगाई, लेकिन आसपास मौजूद लोग असहाय बने रहे। उसी समय इलाके में गश्त कर रही दिल्ली पुलिस की इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल (ईआरवी) ने स्थिति को भांपा और घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली।

आरबीआई मुद्रास्फीति लक्ष्य कम कर सकता है: रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आगामी अगस्त एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) की बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने मुद्रास्फीति के लक्ष्य को घटा सकता है। केयरएज रेटिंग्स की एक हालिया रिपोर्ट में यह कही गई है। भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी की बैठक 4 अगस्त से 6 अगस्त 2025 के बीच हो रही है। इसमें लिए गए फैसलों का एलान 6 अगस्त को होगा। रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 26 में औसतन 3.1 प्रतिशत के आसपास रह सकती है, जो आरबीआई के मौजूदा 3.7 प्रतिशत के अनुमान से काफी कम है। वित्त वर्ष 26 के कम आधार प्रभाव के कारण, वित्त वर्ष 27 में मुद्रास्फीति लगभग 4.5 प्रतिशत पर उच्च रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है, "एमपीसी मुद्रास्फीति लक्ष्य कम करेगी...वित्त वर्ष 26 में सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन लगभग 3.1 प्रतिशत रहेगी। वित्त वर्ष 26 के निम्न आधार को देखते हुए, हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 27 में औसत सीपीआई मुद्रास्फीति अधिक, लगभग 4.5 प्रतिशत रहेगी।" रिपोर्ट के अनुसार, जून में मुख्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (उढक) मुद्रास्फीति तेजी से घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई, जो उम्मीद से कम है और जनवरी 2019 के बाद से सबसे निचला स्तर है। मुद्रास्फीति में यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य कीमतों में निरंतर नरमी और पिछले वर्ष के अनुकूल आधार प्रभाव के कारण हुई। आंकड़ों की बात करें तो सीपीआई श्रेणी में, खाद्य और पेय पदार्थ की कीमतों में कमी आई है। यह जून में साल-दर-साल आधार पर 0.2 प्रतिशत घटी। इसकी वजह सब्जियों (-19 प्रतिशत), दालों (-12 प्रतिशत), मसालों (-3 प्रतिशत) और मांस (-1.6 प्रतिशत) की कीमतों में भारी गिरावट रही। रिपोर्ट में बताया गया है कि बेहतर कृषि उत्पादन और निरंतर आधार प्रभाव समर्थन के कारण खाद्य मुद्रास्फीति नियंत्रित रहने की उम्मीद है। इस बीच, जून में मुख्य मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई।

हिमाचल के छह जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, मंडी जिला में भूस्खलन का खतरा, 265 सड़कें बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून का असर लगातार गहराता जा रहा है। सोमवार को भी राज्य के कई हिस्सों में तेज बारिश दर्ज की गई। इससे सामान्य जनजीवन पर खासा असर पड़ा। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की ताजा रिपोर्ट के अनुसार मंडी, कांगड़ा, शिमला व सोलन जिलों के कई स्थलों में भूस्खलन की स्थिति बनी हुई है। मंडी जिले के कम से कम छह स्थानों पर भूस्खलन का हाई खतरा है, जबकि बाकी जगहों पर मॉडरेट और कांगड़ा जिले के बालदुन नूरपुर में लो खतरा दर्ज हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, मंडी जिले के कोटरोपी, सन्धोल, घोड़ा फार्म-शलगी नॉर्थ कैंपस, ग्रिफॉन पीक-1, ग्रिफॉन पीक-5 और ग्रिफॉन पीक-10 पर हाई खतरे की चेतावनी है, जबकि बाकी स्थानों जैसे शिमला जिला के जतोग, सोलन जिला के डगशाई और कांगड़ा जिला के धर्मशाला आदि में मॉडरेट खतरा बताया गया है। मंडी के गोधा फार्म-2 की निगरानी प्रणाली काम नहीं कर रही है और विश?वकर्मा मंदिर मंडी में सिस्टम न होने के कारण मौसम डेटा के आधार पर हाई खतरे की संभावना जताई गई है।

भूस्खलन से 265 सड़कें बंद, मंडी में सर्वाधिक 155 सड़कें प्रभावित

प्रदेश में सोमवार शाम तक एक नेशनल हाईवे समेत 265 सड़कें भूस्खलन और भारी बारिश के कारण बंद रहीं। अकेले मंडी में 155 सड़कें प्रभावित हुईं। कुल्लू जिले में एनएच-305 समेत 67 सड़कें और कांगड़ा में 23 सड़कें बंद रहीं। बिजली और पानी की आपूर्ति पर भी असर पड़ा है। मंडी में 22 ट्रांसफार्मर और 86 पेयजल योजनाएं ठप हो गईं, जबकि कांगड़ा में 120 और हमीरपुर में 27 पेयजल योजनाएं प्रभावित रहीं।

छह जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में ऊना, बिलासपुर और कांगड़ा जिलों के लिए भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं हमीरपुर, मंडी और सिरमौर जिलों में भारी वर्षा का येलो अलर्ट रहेगा। 6 अगस्त को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर में, 7 अगस्त को शिमला और सिरमौर में तथा 8 अगस्त को मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में भी भारी वर्षा का येलो अलर्ट रहेगा।

9 व 10 अगस्त को मौसम खराब बना रहेगा लेकिन कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

सोलन के कसौली में सबसे ज्यादा वर्षा

बीते 24 घंटों में सोलन जिले के कसौली में सर्वाधिक 80 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। बिलासपुर के नैना देवी और जोगेंद्रनगर में 60-60, मनाली में 50, हमीरपुर के मैहरे में 40, कांगड़ा के गुलेर में 30, मंडी के पंडोह व करसोग और शिमला के सराहन में 30-30 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

भारी बारिश से अब तक 192 मौतें, 464 घर पूरी तरह ध्वस्त

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक मानसून सीजन में अब तक प्रदेश भर में 192 लोगों की मौत हो चुकी है।

पटना के एक मात्र डबल डेकर रोड को लेकर पुल निर्माण विभाग ने दी सफाई

एजेंसी

पटना। राजधानी पटना के अशोक राजपथ पर 422 करोड़ रुपये की लागत से बने बिहार के पहले डबल डेकर पुल का उद्घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 11 जून 2025 को किया था। इस पुल का उद्देश्य पटना के व्यस्त इलाकों जैसे पीएमसीएच, साइंस कॉलेज, और पटना यूनिवर्सिटी के आसपास ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करना था।

हालांकि, उद्घाटन के महज 53 दिन बाद ही इस पुल की सड़क सतह पर दरारें आने लगीं, जिससे आम जनता और विशेषज्ञों में चिंता बढ़ गई है। इस घटना पर बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग ने सफाई दी है। इस संबंध में रोड कंस्ट्रक्शन डिपार्टमेंट (आरसीडी) बिहार सरकार और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड (बीआरपीएनएलएल) ने अपनी आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। विभाग ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि कई न्यूज चैनल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पुल के क्षतिग्रस्त होने की खबरें तेजी से फैल रही थीं। लगातार मूसलाधार बारिश के कारण पुल की सतह पर बने डामर की ऊपरी परत के एक छोटे हिस्से में आंशिक स्लीपेज हुआ है। इसका मतलब यह है कि डामर की सतह पर फिसलन या छोटी दरारें आई हैं, जो केवल सड़क की ऊपरी परत तक सीमित हैं।

पथ निर्माण विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि पुल की संरचना पूरी तरह सुरक्षित है और इसका मूल ढांचा या निर्माण गुणवत्ता प्रभावित नहीं हुई है। मरम्मत कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया है ताकि यह समस्या जल्द से जल्द दूर की जा सके।

यह पुल दो स्तरों में बनाया गया है। निचला स्तर (टियर-1) पटना कॉलेज से बीएन कॉलेज तक लगभग 1.45 किलोमीटर लंबा है, जबकि ऊपरी स्तर (टियर-2) कारगिल चौक से शुरू होकर पटना साइंस कॉलेज होते हुए शताब्दी द्वार तक 2.2 किलोमीटर फैला है।

इस पुल के बन जाने से उम्मीद थी कि यह पटना शहर के भारी ट्रैफिक को बेहतर तरीके से संभालेगा और आने-जाने में सुगमता लाएगा।

हिमाचल में मॉनसूनी बारिश का दौर जारी, 309 सड़कें बंद

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मॉनसूनी बारिश का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के अधिकतर हिस्सों में रविवार रात से सोमवार सुबह तक जोरदार बारिश हुई। इससे जनजीवन पर असर पड़ा है। मौसम विभाग ने आज ऊना, बिलासपुर और हमीरपुर जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि कांगड़ा, मंडी, सोलन और सिरमौर जिलों में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी हुआ है। कल पांच अगस्त को भी ऑरेंज और येलो अलर्ट रहेगा, वहीं 6 से 8 अगस्त तक भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। कुल्लू जिला के मनाली सहित आस पास के क्षेत्रों में भारी बारिश का दौर जारी है। इसे देखते हुव मनाली के एसडीएम ने मनाली उपमण्डल में आज शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किया है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक बीती रात सोलन जिले के कसौली में सबसे ज्यादा 82 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा बिलासपुर के नैना देवी में 62 मिमी, मंडी के जोगेंद्रनगर में 60, ब्राहमणी में 49, मनाली में 45, गुलेर में 29, पंडोह में 27, करसोग में 26, सराहन में 25 और शिमला में 22 मिमी बारिश दर्ज की गई।

309 सड़कें ठप, नेशनल हाईवे पर भी भूस्खलन

भारी बारिश और भूस्खलन से प्रदेश में सड़क यातायात सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। सोमवार सुबह तक राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में एक नेशनल हाईवे सहित 309 सड़कें बंद पड़ी हैं।

मंडी जिले में सबसे ज्यादा 171 सड़कें अवरुद्ध हैं, जबकि कुल्लू में 67, कांगड़ा में 25, चंबा में 21 और ऊना में 13 सड़कें बंद हैं। कुल्लू जिले में एनएच-305 डेड खनग के पास भूस्खलन के चलते ठप पड़ा है।

पानी-बिजली की स्कीमों पर भी असर

भूस्खलन और बारिश से राज्यभर में 113 बिजली ट्रांसफार्मर और 236 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। मंडी जिले में 91 ट्रांसफार्मर और 74 पेयजल स्कीमें बंद पड़ी हैं।

बिहार में गंडक बराज से 1 लाख 71 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया, सभी 36 फाटक खोले गए

पटना। बिहार में बारिश के कारण गंगा, कोसी, बूढ़ी गंडक खतरे के निशान से ऊपर बह रही, वहीं बाघमती, कमला और अधवारा समूह की नदियां उफान पर हैं, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। नेपाल के जलग्रहण और पहाड़ी क्षेत्रों में पिछले तीन दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश से गंडक नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी है। गंडक बराज से सोमवार दोपहर में 1 लाख 71 हजार 1 सौ क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके बावजूद गंडक बराज के जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

गंडक बराज के कार्यपालक अभियंता मो इकबाल अनवर ने बताया कि जल स्तर में वृद्धि को देखते हुए गंडक बराज के सभी 36 फाटकों को आशिक रूप से खोल दिया गया है। उन्होंने बताया कि पानी की बढ़ती स्थिति के मद्देनजर गंडक बराज पर तैनात सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को हाई अलर्ट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि गंडक बराज के जल स्तर में वृद्धि को देखते हुए रात दिन बराज पर कैंप किया जा रही है और पल-पल की रिपोर्ट पर नजर रखी जा रही हैं।

नेपाल के देव घाट से 1 लाख 57 हजार 3 सौ 6 क्यूसेक पानी फोलो किया गया हैं,जिससे निचले कई इलाकों में फिर से गंडक नदी का पानी फैलने की आशंका बढ़ चली है।

गंडक नदी से सटे वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के अंतर्गत वाल्मीकि नगर वन क्षेत्र के कक्षा संख्या एम 29 एवं 30 तथा 28 धनहिया दियरा, ठाडी आदि के जंगल में गंडक का पानी और बरसात का पानी धीरे-धीरे फैलना शुरू हो गया है। वन क्षेत्र में बरसाती पानी और गंडक नदी का पानी घुसने से वन्य जीव सुरक्षित जगहों की तलाश में ऊंचे स्थानों की ओर पलायन कर रहे हैं।

बीते दो अगस्त से अब तक पटना, बांका, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, भागलपुर, भोजपुर, बक्सर, गयाजी, जहानाबाद, कैमूर, कटिहार, खगड़िया, मुंगेर, नालंदा और वैशाली समेत कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। रविवार से लेकर सोमवार तक पटना में लगातार बारिश के बाद कई प्रमुख सड़कें और कई निचले इलाके जलमग्न हो गए है।

बिहार के भोजपुर में बाढ़ से जनजीवन के साथ-साथ शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हुई है। कई गांवों में जलजमाव की स्थिति बनी हुई है, जिससे छात्रों की सुरक्षा और विद्यालय संचालन एक चुनौती बन गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के स्कूलों को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए भोजपुर जिला प्रशासन ने जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के सभी सरकारी विद्यालयों को 9 अगस्त तक पूर्ण रूप से बंद रखने का आदेश जारी किया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों ने प्रभावित विद्यालयों की सूची तैयार कर जिला शिक्षा कार्यालय को भेज दी है।

दिल्ली -एनसीआर में झमाझम बारिश, आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में रात से शुरू हुई बारिश रविवार सुबह तक रुक-रुक कर जारी रही। बरसात से कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मध्यम से भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत में भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।आईएमडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स1 पर जारी बुलेटिन में बताया, 'एनसीआर (बहादुरगढ़, मानेसर) में हल्की से मध्यम बारिश के साथ हल्की गरज और बिजली गिरने की आशंका है। लोनी देहात, हिंडन वायुसेना स्टेशन, गाजियाबाद, इंदिरापुरम, छपरौला, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और बल्लभगढ़ सहित पूरे दिल्ली-एनसीआर में हल्की बारिश होने की आशंका है।' दिल्ली के कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश हुई। इस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 1.7 डिग्री सेल्सियस कम 32.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 5 अगस्त तक अधिकतम तापमान 33 से 35 के आसपास रहने का अनुमान जताया गया है। पूरे देश की बात करें, तो उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, मेघालय,

अरुणाचल प्रदेश और उत्तरी बिहार में अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

आईएमडी के मुताबिक अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत में भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।

वहीं, अगले 5-6 दिनों के दौरान तमिलनाडु और केरल में भारी से बहुत भारी वर्षा की आशंका है। वहीं, मध्य भारत में हल्की बारिश की गतिविधियां होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, उत्तर-पश्चिम भारत के जम्मू-कश्मीर में 4 से 6 अगस्त तक, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश में 3 से 6 अगस्त तक, उत्तराखंड में 3 से 8 अगस्त तक, पंजाब में 4 से 6 अगस्त तक, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 3 से 5 अगस्त तक, और उत्तर-पूर्वी राजस्थान में 3 से 5 अगस्त और 8 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का पूर्वानुमान है। वहीं, पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कई स्थानों पर और मैदानी क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर अगले 7 दिनों तक मध्यम से हल्की बारिश और गरज के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई गई है।

राहुल गांधी के बयान को भाजपा ने बताया तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कृषि कानूनों को लेकर तत्कालीन केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली द्वारा धमकाने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। भाजपा ने राहुल के इस बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक बताया है। भाजपा के आईटी प्रकोष्ठ के प्रभारी अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट में कहा कि राहुल गांधी का दावा है कि अरुण जेटली ने 2020 के कृषि कानूनों के प्रति उनके विरोध को कमज़ोर करने के लिए उनसे संपर्क किया था। अरुण जेटली का 24 अगस्त 2019 को निधन हो गया। कृषि विधेयकों का मसौदा 03 जून 2020 को केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष प्रस्तुत किया गया। ये कानून सितंबर 2020 में लागू किए गए। समर्थन या विरोध में, कोई भी चर्चा इन घटनाक्रमों के बाद शुरू हुई। यह कहना कि अरुण जेटली ने उनसे किसी भी चीज़ के लिए संपर्क किया था, तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक है। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली ने एक्स पोस्ट में कहा, मैं राहुल गांधी को याद दिला दूं कि मेरे पिता का देहांत 2019 में हुआ था और कृषि कानून 2020 में पेश किए गए थे। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरे पिता का स्वभाव किसी को भी विरोधी विचार के लिए धमकाना नहीं था। वह एक कट्टर लोकतांत्रिक व्यक्ति थे और हमेशा आम सहमति बनाने में विश्वास रखते थे।

अंगदान को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता: जेपी नड्डा

नई दिल्ली। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने आज कहा कि अंगदान जीवन का कीमती उपहार है और यह एक परोपकारी, समतावादी और अनिवार्य रूप से नैतिक कार्य है, लेकिन लोगों में जागरुकता की कमी के कारण आज अंग प्रत्यारोपण के लिए जरुरतमंद लोगों को काफी लंबा इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक आदमी आठ लोगों के जीवन को बचा सकता है। इसलिए इसे जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है। जेपी नड्डा ने अंतरराष्ट्रीय अंबेडकर सेंटर में राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन द्वारा आयोजित 15वें भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर 'अंगदान- जीवन संजीवनी अभियान' को संबोधित करते हुए कहा कि आज अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता बढ़ रही है। हर साल हजारों लोगों को अंग प्रत्यारोपण के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। अंगदान करने वालों और अंग प्रत्यारोपण कराने वालों की संख्या में भारी अंतर दिखाई देता है। अंगदान करने में आज भी लोग काफी पीछे हैं। इसका कारण लोगों में इसको लेकर जागरुकता का अभाव है। इसके साथ समाज में व्याप्त धारणाएं भी हैं। आज का दिन और यह समारोह हर अंगदान करने वाले व्यक्ति के महान कार्य को सम्मानित करने और लोगों में जागरुकता फैलाने का है। उन्होंने बताया कि 2023 में आधार कार्ड पर आधारित राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन की वेबसाइट लॉन्च होने के बाद करीब 3 लाख से अधिक लोगों ने अंग दान करने के लिए शपथ ली है। यह दर्शाता है कि लोगों में जागरुकता बढ़ रही है। भारत में साल 2024 में 18900 प्रत्यारोपण किए गए। यह एक साल में किए गए प्रत्यारोपण की सबसे अधिक संख्या है। साल 2013 में देश में 5000 ट्रांसप्लांट हुआ था। इसके साथ भारत अंग प्रत्यारोपण में वैशिवक स्तर पर तीसरा देश बन गया है और दिल के प्रत्यारोपण में सबसे आगे हैं। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि लाइफ स्टाइल से बीमारियां बढ़ रही हैं। इसके कारण अंग प्रत्यारोपण की आवश्यकता भी बढ़ रही है। इस मौके पर नड्डा ने सभी लोगों को अंगदान करने की शपथ दिलाई। इस मौके पर कई अंगदान करने वाले व्यक्तियों के परिवारों को सम्मानित किया गया। इसके साथ उन राज्यों को भी सम्मानित किया गया जो अंगदान के लिए अच्छा काम कर रहे हैं।

बिहार के सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने रचा इतिहास,लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

पूर्वी चंपारण। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के निवासी सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने वैश्विक स्तर पर रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया है। मधुरेन्द्र का नाम लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। 31 वर्षीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार को यह सम्मान ब्रिटिश पार्लियामेंट लंदन में आयोजित एक समारोह के दौरान दिया गया। समारोह में लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अविनाश डी सकुंडे व यूरोपीय संघ के प्रमुख डॉ इवान गैसीना ने संयुक्त रूप से उन्हे प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह, अंगवस्त्र के साथ मैडल पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अविनाश डी सकुंडे ने कहा कि मधुरेंद्र एक उज्वल क्षितिज का नेतृत्व करने की नई भावना के साथ सामाजिक जागरूकता के लिए रेत और पत्ती कला की रचनात्मकता का नया कीर्तिमान स्थापित कर सराहनीय रिकॉर्ड कायम किया है।

इसलिए सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र का नाम लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रमाणन संख्या: LBOWRE401990 में शामिल किया गया है। हम आपके कीर्तिमान को आगे बढ़ाते हुए मानवता के लिए विश्व पटल पर प्रेरणा के स्त्रोत बनकर भारत के आधार की ओर अग्रसर हैं। यूरोपीय संघ के प्रमुख डॉ इवान गैसीना ने कहा कि वैश्विक मंच पर बिहार के 31 वर्षीय भारतीय कलाकार मधुरेंद्र कुमार बहुत ही अल्प समय में लगभग 5000 (पांच हजार) से अधिक अपनी बेमिसाल कलात्मक रचनाओं के नये-नये तकनीकों के माध्यम से समाज को सकारात्मक सन्देश देने का रिकॉर्ड बनाया हैं। इसलिए पूरे उत्साह के साथ लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के हरे-भरे मैदान से सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार को हृदय की गहराइयों से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देती हूं।

खतरे के निशान से ऊपर गंगा का जलस्तर

हालात खराब, तटवर्ती क्षेत्र में जनजीवन अस्त-व्यस्त

एजेंसी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है और शाम से यह खतरे के निशान 71.262 मीटर को पार कर चुका है। रविवार सुबह 08 बजे गंगा का जलस्तर 71.56 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो खतरे के निशान से काफी ऊपर है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, जलस्तर में औसतन तीन सेंटीमीटर प्रति घंटे की दर से वृद्धि हो रही है। बीते 24 घंटे में जलस्तर में 69 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

गंगा के उफान के चलते सहायक नदी वरुणा भी रौद्र रूप में आ गई है, जिससे वाराणसी के तटवर्ती इलाकों में भारी जलभराव हो गया है। कई मोहल्लों और गांवों में कमर तक पानी भर गया है, जिससे जनजीवन ठहर-सा गया है। प्रभावित इलाकों के लोग अपना घर छोड़ने को मजबूर हैं और पलायन कर रहे हैं।

मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह में संकट

बाढ़ के चलते मोक्षतीर्थ मणिकर्णिका घाट की गलियों तक पानी पहुंच गया है। सतुआ बाबा आश्रम के गेट तक जलभराव हो चुका है, जिससे शव के अंतिम संस्कार के लिए नावों का सहारा लेना पड़ रहा है। शवदाह प्रक्रिया में 4 से 5 घंटे तक का इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं, हरिश्चंद्र घाट की गलियों में ही शवों का दाह संस्कार किया जा रहा है, क्योंकि घाट पर

जगह की कमी हो गई है। घाट के आसपास के कई मंदिर पूरी तरह जलमग्न हो चुके हैं।

काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार तक पानी

श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार की सीढ़ियों तक गंगा का पानी पहुंच चुका है। यहां अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। दशाश्वमेध घाट स्थित जल पुलिस का कार्यालय पूरी तरह डूब गया है। वहीं, अस्सी घाट की सीढ़ियों को पार करते हुए गंगा का पानी गलियों में प्रवेश कर चुका है। नियमित होने वाली सायंकालीन गंगा आरती अब घाट पर न होकर गलियों में की जा रही है।

वाराणसी के 26 गांव और 21 मोहल्लों में बाढ़ का पानी घुसा

गंगा और वरुणा नदियों की बाढ़ से तहसील सदर के रामपुर ढाब और शहर के 21 मोहल्ले गंभीर रूप से प्रभावित हैं। इनमें सलारपुर, सरैया, नक्खी घाट, दानियालपुर, कोनिया, ढेलवरिया, नगवां, सिकरौल, तपोवन, डोमरी आदि शामिल हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 26 गांवों में जनजीवन और खेती-बाड़ी पूरी तरह प्रभावित है।

प्रदेश सरकार के निर्देश पर वाराणसी जिला प्रशासन, एनडीआरएफ, जल पुलिस, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हैं। सभी विभागों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

उधर,केंद्रीय जल आयोग ने आशंका जताई है कि वर्ष 1978 की भीषण बाढ़ का रिकॉर्ड इस बार टूट सकता है। मध्यप्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में हो रही भारी वर्षा तथा चंबल, बेतवा, केन नदियों के बांधों से छोड़े गए पानी के कारण स्थिति और विकट हो चली है।

पीएम किसान योजना किसानों के लिए वरदान : नितिन गडकरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को देश के किसानों के लिए वरदान बताया है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत किसानों को लगातार आर्थिक सहायता दी जा रही है, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हुआ है। गडकरी ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि पीएम किसान योजना किसान कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वाराणसी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पीएम-किसान योजना की 20वीं

किस्त जारी की। इस दौरान देश भर के 9.7 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में सीधे 20,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई। इस धनराशि के साथ ही अब तक इस योजना के अंतर्गत कुल 3.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसानों को दी जा चुकी है। गडकरी ने कहा कि इस कल्याणकारी योजना से किसानों की आर्थिक सक्षमता के साथ उनकी जिंदगी बदल रही है। यह किसान कल्याण और कृषि समृद्धि के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत भारत सरकार पात्र किसानों को प्रति वर्ष छह हजार रुपये की वित्तीय मदद देती है। यह सम्मान राशि तीन समान किस्तों में प्रत्येक बार दो-दो हजार रुपये सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी जाती है।

आईआईटी दिल्ली का 56वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न, 2764 विद्यार्थियों को प्रदान की गईं डिग्रियां

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली ने अपने 56वें दीक्षांत समारोह में 2764 विद्यार्थियों को डिग्रियां और डिप्लोमा प्रदान किए। इस अवसर पर 'मिसाइल वुमन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. टेसी थॉमस मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। वह वर्तमान में नूरुल इस्लाम सेंटर फॉर हायर एजुकेशन (एनआईसीएचई), कन्याकुमारी की कुलपति हैं। डॉ. थॉमस ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए आईआईटी दिल्ली को नवाचार, ज्ञान और राष्ट्र-निर्माण की कर्मभूमि बताया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता आईआईटी दिल्ली के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन हरीश साल्वे ने की। इस वर्ष कुल 2764 विद्यार्थियों को डिग्रियां और

डिप्लोमा प्रदान किए गए, जिनमें 530 पीएचडी उपाधि भी शामिल हैं, जो संस्थान के पीएचडी इतिहास में अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा है। इससे पहले यह आंकड़ा 481 था। इसके अलावा बीटेक: 1048, एमटेक: 488, एमबीए: 172, डुअल डिग्री: 124, अन्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम: 402 प्रमुख रुप से शामिल हैं। समारोह में अंकित मंडल (बी.टेक, कंप्यूटर साइंस) को प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। इसके अलावा जस्करण सिंह सोढ़ी (बी.टेक, मटेरियल साइंस) को डायरेक्टर गोल्ड मेडल, देवेंद्र कुमार (एम.टेक, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग) को डॉ. शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल तथा दो छात्रों श्रेयांश गुप्ता और सौमिली चक्रवर्ती को परफेक्ट 10 गोल्ड मेडल (सीजीपीए 10/10) प्रदान किया गया। इस बार 735 छात्राएं दीक्षांत समारोह का हिस्सा बनीं, जबकि 43 अंतरराष्ट्रीय छात्रों को भी डिग्रियां प्रदान की गईं।

कांग्रेस संविधान की रक्षा के लिए हर कीमत चुकाने को तैयार : कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि संविधान में हिंदुस्तान की आत्मा निहित है। यही हर देशवासी की ताकत है जो उसे आगे बढ़ने और सम्मान से सिर उठाकर जीने का अधिकार देता है। हम इस आत्मा पर आंच नहीं आने देंगे। कांग्रेस हर कीमत पर संविधान की रक्षा करेगी। खरगे दिल्ली के विज्ञान भवन में कांग्रेस के कानून, मानवाधिकार एवं सूचना का अधिकार विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय कानूनी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेस अध्यक्ष ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में विचारधारा की लड़ाई जारी है। एक तरफ कांग्रेस संविधान की रक्षा में खड़ी है, तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार संविधान पर हमले कर रही है। उन्होंने कहा कि देश की लोकतांत्रिक

संस्थाओं, न्यायपालिका और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर खतरा मंडरा रहा है। ऐसे समय में संवैधानिक मूल्यों को बचाना केवल कानूनी या राजनीतिक लड़ाई नहीं है, बल्कि यह देश की आत्मा बचाने की लड़ाई है।खरगे ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक कांग्रेस ने हमेशा न्याय, समानता और लोकतंत्र की बात की है और यह संघर्ष आज भी जारी है। उन्होंने अधिवक्ताओं से आह्वान किया कि वे संविधान की भावना और देश की एकता को बनाए रखने के लिए आगे आएं। सम्मेलन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने सोनिया गांधी का संदेश पढ़ा। इसमें उन्होंने कहा कि भारत का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह हमारे लोकतंत्र का नैतिक आधार है। यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की दूरदृष्टि और बलिदानों से उपजा है। कांग्रेस ने स्वतंत्रता से पहले ही भारतीयों द्वारा, भारतीयों के लिए संविधान की कल्पना की थी। 1928 की नेहरू रिपोर्ट से लेकर संविधान सभा की मांग तक, कांग्रेस ने संविधान निर्माण की नींव रखी थी। डॉ. बीआर अंबेडकर ने संविधान को जिस दृष्टिकोण से तैयार किया, वह समान नागरिकता और सामाजिक न्याय पर आधारित था।पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा कि संविधान और सामाजिक न्याय के बीच संबंध जटिल है, लेकिन इनका समाधान जरूरी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 103वां संशोधन कर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण लागू किया।

अरुण जेटली पर राहुल गांधी का झूठ उनकी अपरिपक्वता का प्रतीक: अनुराग सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं लोकसभा के सदस्य अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भाजपा के दिवंगत नेता अरुण जेटली पर टिप्पणी को उनकी अपरिपक्व राजनीति का प्रतीक बताया है। ठाकुर ने उनसे जेटली परिवार और देश से माफी मांगने की मांग की है। अनुराग ठाकुर ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस में बस एक यही सच है कि उनकी हर बात झूठ है। दिन, सप्ताह, महीने, साल बीतते गये बस राहुल गांधी में एक ही चीज है जो उनके अंदर बनी हुई है। कोई परिवर्तन नहीं, ना होने की कोई उम्मीद। हर दिन एक नया झूठ, एक नया प्रोपेगंडा। कांग्रेस को गंभीरता से विचार करना होगा कि आखिर राहुल गांधी झूठ-फ़रेब मक्कारी की राजनीति से आखिर क्या हासिल करना चाहते हैं? उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अरुण जेटली भाजपा के अनेक कार्यकर्ताओं के लिए अभिभावक समान थे। सभी दलों के नेताओं में उनके प्रति सम्मान का भाव था। लोग दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनका सम्मान करते थे। उनके अनुभव का लाभ लेते थे। जिन्होंने देश को इतना कुछ दिया उनके बारे में राहुल गांधी इतना बड़ा झूठ आखिर कैसे बोल सकते हैं। राहुल कहते हैं कि जब वे कृषि क़ानूनों से लड़ रहे थे तब जेटली ने उनको धमकाया था? राहुल गांधी सफेद झूठ झूठ बोल रहे हैं क्योंकि 24 अगस्त 2019 को अरूण जेटली का निधन हुआ जबकि 3 जून 2020 को मोदी कैबिनेट में कृषि कानून आया था।

अवैध प्रवासियों के मद्देनजर मेघालय सरकार ने सीमा पर बढ़ाई सतर्कता

शिलांग (मेघालय)। असम सरकार द्वारा पूरे राज्य में अवैध अतिक्रमण को खाली कराने के लिए चलाए जा रहे अभियान के मद्देनजर पड़ोसी राज्यों में भी सतर्कता और चौकसी बढ़ गयी है। असम में जारी कार्रवाई के बीच जनजातीय परिषद ने मेघालय के सीमावर्ती गांवों से अवैध घुसपैठ की सूचना देने को कहा। इस बीच मेघालय के उप मुख्यमंत्री एवं गृह विभाग के प्रभारी प्रेस्टोन तिनसॉन्ग ने कहा है कि राज्य में प्रवेश के सभी नाकों को और मजबूत कर दिया गया है। ऐसा माना जा रहा है कि असम में अवैध प्रवासियों के विरूद्ध जारी कार्रवाई के चलते वे असम से निकलकर मेघालय का रूख कर सकते हैं। इसके मद्देनजर अंतरराज्यीय सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गयी है। असम में अवैध रूप से बसने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के बीच, मेघालय की खासी हिल्स स्वायत्त जिला परिषद (केएचएडीसी) ने राज्य के सीमावर्ती गांवों के पारंपरिक मुखियाओं से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध सीमा पार गतिविधि की सूचना देने का आग्रह किया है।

योगी राज में बदली यूपी की तस्वीर, स्कूलों में बुनियादी ढांचे से लेकर डिजिटल लर्निंग तक आया क्रांतिकारी बदलाव

एजेंसी

लखनऊ। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में बेसिक शिक्षा का जो ढांचा था, वह कमजोर, अनियोजित और संसाधनों की कमी से जूझ रहा था। अधिकांश प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शौचालय, पीने का पानी, पुस्तकालय, बिजली जैसी बुनियादी सुविधाएं तक नहीं थीं। लेकिन बीते 8 वर्षों में योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में ऑपरेशन कायाकल्प, समग्र शिक्षा, पीएम श्री योजना और प्रेरणा ऐप जैसे अनेक नवाचारों से शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन कर दिया है।

योगी सरकार के बीते आठ वर्षों में बेसिक शिक्षा का ढांचा केवल बदला नहीं, बल्कि भविष्य के अनुकूल बना है। जहां एक समय यूपी के स्कूलों को 'खस्ताहाल' माना जाता था, वहीं आज वही स्कूल स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षा, शौचालय, पुस्तकालय, सुरक्षा, छात्रवृत्ति और पोषण जैसे सभी पहलुओं में देश में उदाहरण बन चुके हैं। यूपी में शिक्षा का यह परिवर्तन नीति आयोग और भारत सरकार द्वारा प्रशंसा योग्य घोषित हो चुका है। यह दिखाता है कि अगर इच्छाशक्ति हो और सही योजना बनाई जाए, तो किसी भी व्यवस्था को बदला जा सकता है।

2017 से पहले: टूटे-फूटे स्कूल, बिना सुविधाओं के बच्चे

2017 तक मात्र 36फीसदी विद्यालयों में ही बुनियादी ढांचा उपलब्ध था

पुस्तकालय सुविधा सिर्फ 7500 स्कूलों तक सीमित थी

बालिकाओं के लिए सिर्फ 33.9फीसदी स्कूलों में ही शौचालय उपलब्ध थे

स्कूलों में डिजिटल शिक्षा या स्मार्ट क्लास जैसी कोई व्यवस्था नहीं थी

यूनिफॉर्म, जूते, मोजे और किताबों की आपूर्ति में मासिक देरी सामान्य थी।

शिक्षक प्रशिक्षण और डिजिटल साक्षरता नाम मात्र की थी।

बदमाशों ने दुकान में चलाई गोलियां, एक घायल

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में शुक्रवार देर रात उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब मोनिश कड़ा होटल के पास किबला परफ्यूम की दुकान पर अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में दुकान संचालक फुरकान (32) के पैर में गोली लग गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। फिलहाल पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। दक्षिण पूर्वी के डीसीपी हेमंत तिवारी के अनुसार पुलिस को रात 10:08 बजे पीसीआर कॉल के जरिए घटना की जानकारी मिली, जिसके बाद थाना हजरत निजामुद्दीन की टीम मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार, परफ्यूम की दुकान तीन भाइयों फुरकान, वसीम (33) और अब्दुल खालिद (30) द्वारा संचालित की जाती है। देर रात उनका पूर्व किरायेदार एहसान कुछ लोगों के साथ दुकान पर पहुंचा और वसीम से कहासुनी करने लगा। विवाद बढ़ा तो एक युवक ने पिस्तौल निकालकर तीन राउंड फायर कर दिए। घटनास्थल से तीन खाली कारतूस और दो जिंदा राउंड बरामद किए गए हैं। आरोपित की पहचान हो चुकी है और पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

लोन दिलाने के नाम पर की थी ठगी, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। मध्य जिले की साइबर थाना पुलिस ने लोन दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपित की पहचान प्रवीन कुमार उर्फ रमेश अग्रवाल (56) के रूप में हुई। आरोपित ने लोन दिलवानेका फर्जी पैम्फलेट छपवाकर दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर लगवा कर दिए थे। उसी के आधार पर जब पीड़ितों ने इससे संपर्क किया तो आरोपित ने अलग-अलग मदों में साढ़े 10 हजार रुपये ऐंठ लिए। फर्जी कागजात के आधार पर खोले गए बैंक खाते में रकम को ट्रांसफर करने के बाद उसे एटीएम के जरिए निकाल लिया गया। पुलिस ने आरोपित के पास से वारदात में इस्तेमाल मोबाइल, एक आधार, पैम्फलेट और वारदात के समय पहने कपड़े बरामद किए हैं। डीसीपी निधिन वाल्सन ने बताया कि पिछले दिनों साइबर थाने में ठगी की एक शिकायत आई थी। पीड़ित ने बताया कि उससे लोन के नाम पर साढ़े 10 हजार रुपये ठग लिए गए। पुलिस ने छानबीन के बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उस खाते की जांच की, जिसमें रकम ट्रांसफर हुई थी। जांच में पता चला कि रकम तमिलनाडु के एक बैंक में ट्रांसफर हुई थी। पुलिस ने उसकी जांच की तो पता चला कि खाता किसी रमेश अग्रवाल के नाम पर खुला हुआ है। उसके अटैच मोबाइल नंबर की छानबीन की गई। इसके बाद आरोपित को शास्त्री पार्क, सराय रोहल्ला से गिरफ्तार कर लिया गया।

कांग्रेस चार अगस्त को दिल्ली विधानसभा के बाहर करेगी प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने झुग्गियों को उजाड़ने, महिला सम्मान निधि, कानून-व्यवस्था और जलभराव जैसे मुद्दों को लेकर चार अगस्त को दिल्ली विधानसभा के बाहर प्रदर्शन करने की घोषणा की है। पार्टी का कहना है कि वह जनता के बुनियादी मुद्दों को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा सरकार को घेरेगी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने यह जानकारी देते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ता और दिल्लीवासी 4 अगस्त को सुबह 11 बजे चंदगीराम अखाड़ा ट्रॉमा सेंटर के पास एकत्र होंगे, जहां से विधानसभा की ओर मार्च किया जाएगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और दिल्लीवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। देवेंद्र यादव ने एक बयान जारी कर कहा है कि लोकसभा में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने खुद झुग्गी झोपड़ियों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनीं और उन्हें संसद में उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार लगातार गरीबों की झुग्गियों को उजाड़ रही है। उन्होंने कहा कि पिछले छह महीनों में करीब 15 हजार झुग्गी निवासियों को उजाड़ा गया, लेकिन उनके पुनर्वास के लिए कोई योजना नहीं लाई गई।

पुलिस ने वांछित आरोपित को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने लंबे समय से फरार चल रहे भव्य उर्फ भानु को गिरफ्तार किया है। आरोपित दिल्ली के कापसहेड़ा थाने के वर्ष 2017 के एक लूट और गुरुग्राम के राजेन्द्र पार्क थाना क्षेत्र में 2019 की एक चोरी के मामले में वांछित था। दोनों मामलों में आरोपित को संबंधित कोर्ट द्वारा भगोड़ा घोषित किया गया था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार पकड़े गए आरोपित ने वर्ष 2017 में अपने साथियों के साथ मिलकर कापसहेड़ा क्षेत्र में एक व्यक्ति का गला दबाकर उसका मोबाइल लूट लिया था। स्थानीय पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मुकदमा दर्ज किया। कोर्ट ने उसे 25 सितम्बर 2024 को भगोड़ा घोषित किया। इसके अतिरिक्त वह गुरुग्राम के थाना राजेन्द्र पार्क में 26 मार्च 2019 को चोरी के मामले में भी वांछित था। यहां भी आरोपित को दो जुलाई 2025 को कोर्ट ने भगोड़ा घोषित किया था।डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच लगातार अभियान चलाकर भगोड़े बदमाशों को पकड़ने का काम कर रही है।

पहले चरण में 50,000 फ्लैट्स से होगी गरीबों के पुनर्वास की शुरुआत : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सुल्तानपुरी स्थित डीडीए (ड्यूसिब) द्वारा बनाए गए फ्लैट्स का दौरा कर उनके रख-रखाव, मौजूदा स्थिति और पुनर्वास की संभावनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार झुग्गी वासियों को गरिमामय जीवन और मकान देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस योजना के तहत पहले चरण में 50,000 फ्लैट्स के जरिए गरीबों के पुनर्वास की शुरुआत होगी। दिल्ली सरकार 10 लाख मकानों की जरूरत के हिसाब से बनाने की विस्तृत रणनीति पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'हर गरीब को घर' के संकल्प पर काम कर रही है। इस दौरे में मुख्यमंत्री के साथ सांसद योगेंद्र चंदोलिया, दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष सूद सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने

बताया कि गरीब झुग्गीवालों के लिए वर्ष 2016 में इन फ्लैटों का निर्माण पूरा हो गया था। इन फ्लैटों पर सरकार द्वारा करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों की उदासीनता और नीयत की कमी के कारण ये मकान आज तक उनके असली हकदारों को नहीं मिल पाए। उन्होंने कहा कि यही हाल दिल्ली के बाहरी इलाकों में बने 50,000 फ्लैट्स का है। उनकी हालत अब इतनी खराब हो चुकी है कि उन्हें दोबारा उपयोग के लायक बनाने के लिए करोड़ों रुपये फिर से खर्च करने होंगे। इन हजारों फ्लैटों को दुरुस्त करने के लिए केंद्र सरकार ने करीब 732 करोड़ रुपये की धनराशि उपलब्ध करा दी है। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन फ्लैट्स की मरम्मत संभव है, उन्हें जल्द दुरुस्त किया जाए और जो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हैं, उन्हें फिर से बनाया जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी को भी खुले में रहने या शौच जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए भटकने की नौबत नहीं आने दी जाएगी। इस मौके पर मंत्री आशीष सूद ने बताया कि सुल्तानपुरी स्थित डीडीए (ड्यूसिब) फ्लैट्स वर्षों तक बदहाली और राजनीतिक उपेक्षा का प्रतीक बने रहे। ये मकान, पूर्ववर्ती सरकारों की असंवेदनशीलता के चलते गरीब झुग्गीवासियों तक कभी नहीं पहुंच पाए। करोड़ों रुपये की लागत से बने 50,000 फ्लैट्स वीरान पड़े रहे, जबकि लाखों लोग झुग्गियों में नारकीय जीवन जीते रहे।

हथियार बनाने की फैक्टरी में पुलिस का छापा, दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हथियार बनाने की एक फैक्टरी का खुलासा किया है। पुलिस ने इस संबंध में हथियारों एवं पांच रिसीवर और फैक्टरी में हथियार बनाने वाले आरोपित समेत कुल छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के पास से 18 तमंचे, हथियार बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली मशीनें और औजार बरामद किए गए हैं। मुख्य आरोपित बिलाल उर्फ बिल्ला से हथियार लेकर दिल्ली-एनसीआर समेत दूसरे इलाकों में हथियार सप्लाई करने वाले चार आरोपित रविंदर, मुश्ताक, पवन और रहीश को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। इनसे पूछताछ के बाद अब मामले में दो मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान मुख्य आरोपित डीग, भरतपुर राजस्थान निवासी बिलाल खान उर्फ बिल्ला (22) और इसके साथी साहिल (25) के रूप में हुई है। आरोपित बिलाल पिछले करीब दो सालों से हथियार बनाकर सप्लाई कर रहा था। पुलिस पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ कर इस बात का पता लगा रही है कि इन लोगों ने अब तक कितने हथियार सप्लाई किए। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि कुछ समय पहले क्राइम ब्रांच ने रविंदर, मुश्ताक, पवन और रहीश को गिरफ्तार किया था। इनके पास से एक-एक तमंचा बरामद किया गया। जांच हुई तो पता चला कि इनको हथियार भरतपुर, डीग के बिलाल ने सप्लाई किए थे। पुलिस की छापेमारी से पहले बिलाल फरार हो गया। टीम ने उसकी तलाश शुरू की। इस बच 27 जुलाई को टीम को सूचना मिली कि आरोपित बिलाल द्वारका में आने वाला है।

छात्र ही देश के सबसे बड़े भाग्यविधाता: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज के 39वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के भविष्य को गढ़ने का सबसे बड़ा केंद्र हमारे कॉलेज हैं और छात्र ही देश के सबसे बड़े भाग्यविधाता हैं। समारोह में सांसद योगेंद्र चंदोलिया, विधायक कुलवंत राणा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने समारोह को संबोधित करते हुए छात्रों से शिक्षा की असली भावना को आत्मसात कर समाज और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि 140 करोड़ लोगों में से हर व्यक्ति अगर देश के लिए एक छोटा सा काम भी कर ले, तो भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ देश बनने से कोई नहीं रोक सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉलेज की पढ़ाई सिर्फ डिग्री लेने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने

विचार, ऊर्जा और सहभागिता के माध्यम से देश की राजनीति और नीति-निर्माण प्रक्रिया का हिस्सा बनें। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे दिल्ली सरकार के स्कूलों से जुड़ें और वहां पढ़ने वाले वंचित बच्चों के साथ संवाद करें। उन्होंने कहा कि जब आप जैसे छात्र झुग्गियों के बच्चों से जुड़ेंगे, तो उन्हें एक विजन, एक प्रेरणा मिलेगी। हम सब मिलकर तभी आगे बढ़ सकते हैं जब हम अपने पीछे वालों का हाथ पकड़ें।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अफसोस जताया कि पिछले 15 वर्षों में दिल्ली में एक भी नया कॉलेज नहीं खोला गया। इस कारण लाखों छात्रों को दिल्ली से बाहर पढ़ाई के लिए जाना पड़ता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अब यह स्थिति बदलेगी और दिल्ली उच्च शिक्षा का केंद्र बनेगा।

दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र 4 से 8 अगस्त तक, पूरी तरह होगा कागजरहित : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली विधानसभा का मानसून सत्र चार से आठ अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। यह सत्र पूरी तरह डिजिटल और कागजरहित होगा, जिसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली विधानसभा को ई-विधान बनाने का कार्य इतने कम समय में सफलतापूर्वक किया गया है। इसमें केंद्र सरकार ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया, जिसके लिए हम आभार व्यक्त करते हैं।

उन्होंने बताया कि इस सत्र में दिल्ली स्कूल एजुकेशन ट्रांसपेरेंसी इन फिक्सेशन एंड रेगुलेशन ऑफ फीस-2025 बिल को चर्चा के लिए सदन में रखा जाएगा। यह बिल शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और फीस नियंत्रण को लेकर महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सचिवालय दिल्ली सचिवालय में ई-फाइलिंग और ई-साइन प्रणाली को लागू कर दिया गया है। अब अधिकांश फाइलें डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही हैं, जिससे

कामकाज में पारदर्शिता और गति आई है। रेखा गुप्ता ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सरकार गंभीर है। इसी क्रम में दिल्ली विधानसभा परिसर में 500 किलोवाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है, जिससे विधानसभा भवन की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति सौर स्रोत से हो सकेगी। इस सौर संयंत्र और ई-विधान एप्लिकेशन (पेपरलेस विधानसभा प्रणाली) का उद्घाटन तीन अगस्त को केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के हाथों किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली विधानसभा को सौर ऊर्जा से संचालित करने के लिए 500 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र यहां लगाया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास की ओर बढ़ रही है। इसके लिए बड़े-छोटे सभी फैसले किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली तेजी से डिजिटल और हरित विकास की दिशा में अग्रसर है। चाहे वह प्रशासनिक पारदर्शिता हो या सतत ऊर्जा उपयोग - दिल्ली सरकार हर पहलू पर ठोस निर्णय ले रही है।

यमुना के पानी की गुणवत्ता में सुधार, जून के आंकड़े लेकर प्रदूषित कहना अपरिपक्व सोच : सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की जुलाई की रिपोर्ट में यमुना के पानी की गुणवत्ता में जून के मुकाबले सुधार है। उन्होंने कहा कि जून के आंकड़ों के आधार पर यमुना को ज्यादा प्रदूषित कहना, आलोचकों की अपरिपक्व या प्रेरित सोच को दर्शाता है। मंत्री ने बताया कि जुलाई 2025 में यमुना के 8 प्रमुख स्थानों (पल्ला, वजीराबाद, आईएसबीटी ब्रिज, आईटीओ ब्रिज, निजामुद्दीन ब्रिज, ओखला बैराज और अन्य) से लिए गए नमूनों में आईटीओ ब्रिज पर जैव रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) जून में 70 एमजी/द्य रहा, जो जुलाई में घटकर 20 एमजी/द्य हो गया।

ओखला बैराज पर बीओडी 46 एमजी/द्य से घटकर 8 एमजी/द्य हो गया। रासायनिक ऑक्सीजन मांग (सीओडी) स्तर में भी बड़ा सुधार दिखा, जो आईटीओ ब्रिज पर 186 एमजी/द्य से घटकर 54 एमजी/द्य और ओखला बैराज पर 100 एमजी/द्य से घटकर 30 एमजी/द्य हो गया। उन्होंने कहा कि डिज़ॉल्वड ऑक्सीजन (डीओ) स्तर, जो जून में कई जगहों पर लगभग शून्य था, पल्ला और वजीराबाद में काफी बेहतर हुआ, जिससे पानी में ऑक्सीजन की बढ़ोतरी के संकेत मिले। अमोनियाकल नाइट्रोजन और पीएच स्तर में भी कई स्थानों पर गिरावट आई, जो कम प्रदूषण को दर्शाता है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि बीओडी, सीओडी और डीओ जैसे पैरामीटर में सुधार को नजरअंदाज़ नहीं किया जा सकता। यह शुरुआती संकेत हैं कि हमारे कदम असर दिखा रहे हैं। लेकिन ये सिर्फ शुरुआत है, यमुना को पूरी तरह साफ करना हमारा लक्ष्य है।आलोचकों को जवाब देते हुए मंत्री सिरसा ने कहा कि सालों तक यमुना को डेड रिवर कहा गया, लेकिन आज आंकड़े साफ दिखा रहे हैं कि नदी धीरे-धीरे साफ हो रही है। यह सुधार संयोग नहीं बल्कि लगातार चल रहे प्रयासों और हस्तक्षेप का नतीजा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा यमुना की सफाई के लिए आवंटित 500 करोड़ रुपये का उपयोग सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपीएस) को अपग्रेड करने, नालों को इंटरसेप्ट करने और बिना ट्रीटमेंट के गिरने वाले पानी को रोकने में किया जा रहा है, जिसका सीधा असर पानी की गुणवत्ता पर दिख रहा है।

हत्या की गुत्थी सुलझी, दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के पुल प्रह्लादपुर थाना पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति की हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान करने और हत्या के पीछे की साजिश को उजागर करने में पुलिस ने गहन जांच करते हुए करीब 500 सीसीटीवी फुटेज खंगाले। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गौरव उर्फ मुल्ली और वंकटेश उर्फ राजा के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या में उपयोग हुआ ऑटो रिक्शा, बेल्ट और प्लास्टिक रॉड बरामद की हैं।दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी हेमंत तिवारी के अनुसार 11 जुलाई को सुबह 11:30 बजे पुल प्रह्लादपुर थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई जिसमें करणी सिंह शूटिंग रेंज रोड पर एक व्यक्ति के बेहोश पड़े होने की जानकारी दी गई। कॉल करने वाला केला बेचने वाला था जो रोज़ की तरह काम पर जा रहा था। पुलिस मौके पर पहुंची तो एक अज्ञात पुरुष का शव मिला। मृतक की पहचान कर पाना मुश्किल था। इसलिए दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस ने 12 विशेष टीमें बनाईं। जिनके द्वारा करणी सिंह शूटिंग रेंज, एमबी रोड, सूरजकुंड रोड और संगम विहार इलाके के 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए। इस बीच फिंगरप्रिंट ब्यूरो रामपुरा से प्राप्त फिंगरप्रिंट विश्लेषण से मृतक की पहचान राकेश (35) के रूप में हुई, जो पेशे से एक पेंटर था।पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर एक अगस्त को हत्या का मामला दर्ज किया। इधर पुलिस को मदनगीर इलाके में सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण में एक व्यक्ति को मृतक जैसी शर्ट पहने देखा गया। पूछताछ के बाद उसकी पहचान गौरव उर्फ मुल्ली (25) के रूप में हुई। कड़ी पूछताछ में गौरव ने खुलासा किया कि राकेश की हत्या वंकटेश उर्फ राजा ने की थी। पुलिस ने वंकटेश के घर पर छापा मारा।

हिमाचल प्रदेश के सीएम की केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से मुलाकात, बारिश से हुए नुकसान पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शाम नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य में हाल ही में भारी बारिश और बादल फटने से हुए गंभीर नुकसान के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मानसून में राज्य को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। भवन, सड़क, पुल, जलापूर्ति योजनाएं और आवासीय संपत्तियां बर्बाद हो गई हैं और कई लोगों की जानें भी गई हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से मांग की कि जिन परिवारों ने अपनी जमीन खो दी है, उन्हें पुनर्वास के लिए एक बीघा भूमि आवंटित करने की अनुमति दी जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि हिमाचल प्रदेश का 68 प्रतिशत हिस्सा वन क्षेत्र में आता है, इसी कारण पुनर्वास के लिए वन संबंधी नियमों में ढील दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पहाड़ी राज्यों की भौगोलिक परिस्थितियां और आवश्यकताएं अलग हैं, इसलिए उनके लिए अलग मानदंड बनाए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री ने नदियों में गाद (सिल्ट) भरने की समस्या पर भी चर्चा की।

उन्होंने कहा कि गाद की समय पर सफाई न होने से आपदाओं का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए इसके निपटारे के लिए जरूरी निर्देश जारी किए जाएं। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की घटनाएं अब बार-बार हो रही हैं। इस मुद्दे पर पहले केंद्रीय गृह मंत्री से भी चर्चा की है। साथ ही, उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए केंद्र सरकार की एक टीम पहले ही हिमाचल प्रदेश का दौरा कर चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आपदा से निपटने और प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है, लेकिन केंद्र की मदद जरूरी है। बैठक में मुख्यमंत्री के साथ उप मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक संजय अवस्थी, वरिष्ठ अधिकारी सुरेश कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वन) केके. पंत, प्रधान आवासीय आयुक्त अजय यादव और मंत्रालय एवं राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पति की हत्या कर नाले में फेंका शव, एक साल बाद राज से उठा पर्दा, दो गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए मृतक पत्नी व उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है।आरोपित महिला ने ही अपने प्रेमी और रिश्तेदार की मदद से अपने पति की हत्या करवाई थी और फिर गुमशुदगी की झूठी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा के अनुसार मामला 2024 के जुलाई महीने का है, जब मृतक प्रीतम प्रकाश का शव हरियाणा के गन्नौर के अगवानपुर गांव के पास नाले में बरामद हुआ था।

मृतक प्रीतम अलिपुर थाने का घोषित अपराधी था। वह कई आपराधिक मामलों में वांछित था और घोषित भगोड़ा भी था।उसकी पत्नी सोनिया (34), जो तीन बच्चों की मां है। पति की आपराधिक और नशे की लत से परेशान थी। इसी दौरान उसकी दोस्ती हरियाणा के सोनीपत निवासी रोहित से हो गई, जो पहले से चार संगीन मामलों में आरोपित रह चुका है। दोनों के बीच अवैध संबंध थे और शादी की योजना भी बना रहे थे। डीसीपी के अनुसार पति को रास्ते से हटाने के लिए सोनिया ने पहले रोहित को सुपारी दी। लेकिन पैसों की कमी के कारण वह योजना सफल नहीं हो सकी। बाद में उसने अपनी बहन के देवर विजय को हत्या के लिए राजी कर लिया। डीसीपी के अनुसार पांच जुलाई 2024 की रात गन्नौर (सोनीपत) में सोनिया के मायके में उसके कहने पर विजय ने प्रीतम की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को अगवानपुर गांव के पास नाले में फेंक दिया गया। हत्या के कुछ दिनों बाद सोनिया ने 20 जुलाई को अलीपुर थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। हरियाणा पुलिस को कुछ दिन बाद एक अनजान शव नाले में मिला। लेकिन पहचान न होने के कारण केस सुलझ नहीं सका। इस बीच सोनिया ने मृतक के मोबाइल फोन को अपने प्रेमी रोहित को दे दिया। जिसे बाद में वह इस्तेमाल करने लगा। डीसीपी के अनुसार क्राइम ब्रांच की एनआर टीम ओ इंस्पेक्टर संदीप की देख-रेख में मामले की जांच की गई।

दिल्ली के पुलिस आयुक्त ने नए आपराधिक कानूनों के तहत मामलों के निपटारे पर असंतोष व्यक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस आयुक्त का कार्यभार संभालने के तुरंत बाद 1988 बैच के एजीएमयूटी कैडर के आईपीएस अधिकारी एसबीके सिंह ने मामलों के आपराधिक मामलों के निपटारे पर असंतोष व्यक्त किया है। एसबीके सिंह ने विशेष पुलिस आयुक्तों को लिखे एक पत्र में कहा है कि अगली अपराध समीक्षा बैठक में आपराधिक मामलों के त्वरित निपटारे पर चर्चा की जाएगी। सूत्रों ने बताया कि आयुक्त के पत्र के बाद, दिल्ली के एक जोन ने मामलों के समय पर निपटारे को सुनिश्चित करने के लिए एक समाधान लागू किया है। यह निर्णय लिया गया है कि सभी लंबित मामलों और शिकायतों की बारीकी से निगरानी की जाएगी। जांच अधिकारियों (आईओ) को तीन समूहों में विभाजित किया जाएगा और थाने के सभी तीन निरीक्षक बारीकी से निगरानी के लिए एक-एक समूह की जिम्मेदारी संभालेंगे। पहले, केवल एसएचओ ही निगरानी के लिए जिम्मेदार था, जबकि अन्य दो निरीक्षक क्रमशः कानून-व्यवस्था और जांच का काम संभाल रहे थे। दिल्ली के पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह ने लिखे पत्र में कहा कि

एनसीएल (नए आपराधिक कानून) के अनुपालन की समीक्षा के दौरान, यह पाया गया कि नए कानूनों के तहत निर्धारित 60/90 दिनों की अवधि के भीतर मामलों का निपटारा असंतोषजनक है और इस पर विशेष पुलिस आयुक्तों के व्यक्तिगत ध्यान की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि अगली अपराध समीक्षा बैठक में स्थिति की समीक्षा की जाएगी। नाम न छापने की शर्त पर एक अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि यह पत्र कानून-व्यवस्था जोन-1, जोन-2, परिवहन रेंज (मेट्रो, रेलवे और हवाई अड्डा इकाइयों सहित), और एसपीयूडब्ल्यूएसी (महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा इकाई) के विशेष पुलिस आयुक्तों को भेजा गया है।उन्होंने आगे कहा कि नई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023, जो दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) का स्थान लेती है, के तहत पुलिस को 90 दिनों के भीतर जांच पूरी करनी होती है, विशेष मामलों में 180 दिनों तक का विस्तार संभव है।

हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली । दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत विहार थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान ओखला विहार निवासी अबुजैर साफी (30) और तुगलकाबाद एक्सटेंशन निवासी अमन के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल देशी कट्टा और एक बाइक बरामद की है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी अमित गोयल के अनुसार 30 जुलाई की रात करीब 9:49 बजे पीसीआर कॉल मिली कि पूरवी मार्ग रेड लाइट के पास गोली चली है। सूचना मिलते ही एसआई प्रशांत व टीम मौके पर पहुंची तो एक ऑटो खड़ा मिला। ऑटो चालक रंजीत यादव ने बताया कि एक महिला सवारी को गोली लगी थी, जिसे पीसीआर पहले ही एम्स ट्रॉमा सेंटर लेकर जा चुकी है। पुलिस टीम अस्पताल पहुंची। जांच में पता चला कि घायल महिला सफदरजंग की रहने वाली है और गीतांजलि सैलून,

बसंत लोक में हेड मैनेजर के तौर पर कार्यरत है। महिला ने बयान दिया कि वह ऑटो में बैठकर फोन पर बात कर रही थी, तभी एक काली मोटरसाइकिल पर दो युवक पीछे से आए, जिसमें से ड्राइवर अबुजैर साफी ने उस पर गोली चला दी जो उसके सीने में लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए वसंत विहार थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राकेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने सीसीटीवी फुटेज, सोशल मीडिया ट्रैकिंग और तकनीकी निगरानी के माध्यम से दोनों आरोपितों की पहचान कर ली। पुलिस टीम ने 31 जुलाई को आरोपित अमन सुखला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गयी बाइक बरामद की। इसके बाद एक अगस्त को मुख्य आरोपित और फायरिंग करने वाले अबुजैर साफी को भी स्थानीय सूचनाओं और तकनीकी सर्विलांस के आधार पर गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से एक देशी कट्टा बरामद हुआ। पुलिस जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि पीड़िता के विरुद्ध मालवीय नगर थाने दुष्कर्म का मामला दर्ज है और उसी मामले में अबुजैर साफी आरोपित है। ऐसे में दोनों मामलों के बीच संबंध और हमले के पीछे की असल वजह की जांच की जा रही है।

संपादक की कलम से

क्या शहरी बस्तियों तक पहुंच पाएगा महिला सशक्तिकरण

साल 2025 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तेजी से कार्रवाई करें की थीम के साथ हमें याद दिलाता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। शहरी बस्तियों में रहने वाली महिलाएं अपने अधिकारों, सुरक्षा और सपनों के लिए संघर्षरत हैं, लेकिन वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति और समाज एवं परिवार की बेरुखी उनके जीवन को ज्यादा कठिन बना देती है। बे महानगरों सहित मेट्रो सिटी के रूप में विस्तार पा चुकी शहरी बस्तियों में रहने वाली महिलाओं की जिंदगी की सच्चाई को अगर करीब से देखा जाए, तो यह साफ हो जाता है कि उनकी समस्याएं केवल गरीबी और संसाधनों की कमी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह असमानता, भेदभाव, पलायन और सामाजिक एवं राजनीतिक उपेक्षा की गहरी ज़ों से भी जुी हुई हैं। ऐसी स्थिति में, साल 2025 का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस तेजी से कार्रवाई करें की थीम के साथ हमें याद दिलाता है कि महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में तत्काल और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। शहरी बस्तियों की अधिकांश आबादी ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन करके आती है। छोटे शहरों एवं राज्यों की राजधानियों की कमोबेश यही स्थिति है। महानगरों में पलायन गांवों के साथ-साथ छोटे शहरों से भी होता है। पिछले कुछ दशकों में ग्रामीण एवं छोटे शहरों में रोजगार के अभाव ने पलायन को तेज किया है। गांवों में आज भी छुआछूत है, जिसकी वजह से दलित समुदाय पलायन कर शहरी बस्तियों में आ रहा है। इसलिए बस्तियों की कुल आबादी में एक बा हिस्सा दलित एवं आदिवासी समुदायों का होता है। कुछ परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलाने के लिए शहरों का रुख करते हैं। यह सिलसिला दशकों से चल रहा है, जिसकी वजह से शहरी बस्तियों में रहने वाले परिवार पीढ़ी दर पीढ़ी के साथ-साथ हाल के वर्षों में आए परिवार भी हैं। इन बस्तियों में रह रहे बहुत कम परिवार हैं, जो अपनी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को बेहतर कर कॉलोनियों की तरफ चले गए। अधिकांश परिवार इन्हीं बस्तियों में स्थायी रूप से रहने लगे हैं। इन बस्तियों में पानी की किल्लत, शौचालयों की कमी, सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों का अभाव, स्वास्थ्य एवं शिक्षा का अभाव जैसे कई गंभीर मुद्दे हैं। महिलाएं इन समस्याओं से सबसे ज्यादा जूझ रही हैं। इनकी वजह से उनके जीवन पर नकारात्मक असर पता है। शहरी बस्तियों में हाल ही में पलायन करके आए परिवारों और वर्षों से रहने वाले परिवारों के बीच भी अक्सर सामाजिक और सांस्कृतिक संघर्ष देखने को मिलता है। विभिन्न राज्यों और भाषाई पृष्ठभूमियों से आने वाले परिवारों के बीच संसाधनों को लेकर टकराव, परंपराओं और जीवनशैली में मतभेद की वजह से अक्सर असहमति और तनाव उत्पन्न होते हैं। इस संघर्ष का सबसे अधिक बोझ महिलाओं को उठाना पता है, क्योंकि उन्हें ही पारिवारिक समायोजन और सामाजिक मेलजोल को बनाए रखने की जिम्मेदारी निभानी पती है। कई बार नई बस्तियों में हाल ही में आई महिलाएं स्थानीय भाषा न जानने के कारण सरकारी योजनाओं और समुदाय आधारित सहायता समूहों तक नहीं पहुंच पातीं, जिससे वे और भी ज्यादा हाशिए पर चली जाती हैं। आर्थिक संकटों से जूझ रहे इन परिवारों की महिलाएं घरेलू कामगार, सफाई कर्मचारी, छोटे-मोटे कारीगर या असंगठित क्षेत्र की मजदूर होती हैं, जो घर एवं बाहर दोनों ही जगहों पर समस्याओं से जूझ रही हैं। कई महिलाएं घर से दूर काम करने जाती हैं, लेकिन उनके लिए सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा एक बी चिंता का विषय बनी रहती है। कार्यस्थल पर महिलाओं को अक्सर असभ्य व्यवहार का सामना करना पता है। रात के समय इन बस्तियों की गलियां अंधेरे में बी रहती हैं, जिससे महिलाओं के लिए घर लौटना खतरे से खाली नहीं होता। शहरी विस्थापन के कारण शहर से दूर फेंक दिए जाने के कारण यह संकट और गहरा हो जाता है। महिलाओं के लिए सरकारी एवं गैर सरकारी स्तर पर रोजगार से जुे कई प्रशिक्षण दिए जाते हैं, लेकिन उसका कोई फायदा उन्हें नहीं मिल पाता। एक तो बस्ती में स्वरोजगार के अवसर सीमित हैं, दूसरी बात यह कि वे कहीं अन्य जगह जाकर स्वरोजगार कर पाने में असमर्थ होती हैं।

बस्ती की ज्यादातर महिलाएं अक्सर अपने स्वास्थ्य और पोषण की अनदेखी कर देती हैं। अधिकांश बस्तियों में सुबह चार बजे उठकर पानी भरने के लिए लंबी कतारों में खा होना महिलाओं की दिनचर्या का हिस्सा है। उनके पास इतना समय ही नहीं बचता कि वे अपने लिए कुछ सोच सकें। बस्ती में स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं, और जब कभी वे बीमार पती हैं, तो सरकारी अस्पतालों की भी और लापरवाही उनके लिए एक नई समस्या बन जाती है। शहरी बस्तियों में महिलाओं के लिए शिक्षा भी एक बी चुनौती है। कई लकियां किशोरावस्था में ही स्कूल छो देती हैं क्योंकि उनके घरवालों को लगता है कि पढ़ाई की बजाय घर का काम करना और छोटे भाई-बहनों की देखभाल करना ज्यादा जरूरी है। इसके साथ ही बालिकाओं की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई बालिकाएं घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कम उम्र से ही मां के साथ काम पर जाने लगती हैं।

इसके अलावा, घरेलू हिंसा इन बस्तियों की महिलाओं के लिए एक और गंभीर समस्या है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराना आसान नहीं होता और अगर कोई महिला हिम्मत करके शिकायत कर भी देती है, तो समाज और परिवार का दबाव उसे वापस उसी प्रताना भरी जिंदगी में धकेल देता है। कई महिलाओं को यह भी नहीं पता होता कि उनके लिए कानूनी मदद और सहायता समूह उपलब्ध हैं। इन बस्तियों के पुरुषों में शराब एवं जुए की लत एक आम समस्या है, जिसकी वजह से महिलाओं को घर चलाने के लिए कमाना भी पता है, घर का काम भी करना पता है और पति की प्रताना भी झेलनी पती है।

सुरक्षित सामुदायिक शौचालयों की कमी भी महिलाओं की समस्याओं को बढ़ा देती है। कॉलोनी की कई महिलाओं को खुले में शौच जाने को मजबूर होना पता है, जिससे वे कई बार यौन हिंसा की शिकार भी हो जाती हैं। कई बार शौचालयों की दूरी इतनी होती है कि महिलाएं रातभर खुद को रोकने की कोशिश करती हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पता है।

6 घंटे से ज्यादा लगातार बैठने से सेहत पर प सकता बुरा असर, रिसर्च में खुलासा

आजकल की लाइफस्टाइल में घंटों बैठकर काम करना आम हो गया है. ऑफिस हो या घर, लोग लगातार 6-8 घंटे तक बैठकर लैपटॉप और मोबाइल में लगे रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक बैठना आपके शरीर के लिए कितना खतरनाक हो सकता है. रिसर्च बताती हैं कि जो लोग रोजाना 6 घंटे से ज्यादा बैठते हैं, उनमें मोटापा, हार्ट जीज और ायबिटीज जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है. आइए जानते हैं कि ज्यादा देर तक बैठने से शरीर पर क्या असर पता है और इससे कैसे बचा जा सकता है.

वजन बढ़ने का खतरा

अगर आप घंटों एक ही जगह बैठे रहते हैं, तो शरीर की कैलोरी बर्न होने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है. इससे पेट और कमर के आसपास चर्बी जमा होने लगती है और वजन तेजी से बढ़ता है.

दिल की बीमारियों का खतरा

शोध बताते हैं कि ज्यादा देर तक बैठने से हार्ट जीज का खतरा 30% तक बढ़ सकता है. इसकी वजह यह है कि लगातार बैठने से शरीर में ब्ल सकुर्लेशन धीमा हो जाता है, जिससे कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है.

ायबिटीज का रिस्क बढ़ जाता

जो लोग ज्यादा देर तक बैठे रहते हैं, उनका मेटाबॉलिज्म धीमा हो जाता है. इससे शरीर की इंसुलिन पर प्रतिक्रिया करने की क्षमता कम होने लगती है और ब्ल शुगर का स्तर बढ़ जाता है, जिससे टाइप-2 ायबिटीज होने की संभावना बढ़ जाती है. लगातार बैठने से रीढ़ की हड्डी पर दबाव बढ़ता है, जिससे पीठ दर्द, कमर दर्द और गर्दन में अक्न हो सकती है।

रसोई पर बाजार के हमले से चौपट होता स्वास्थ्य

आज रसोई पर संकट मंरा रहा है, बाजारवाद ने रसोई के अस्तित्व को ही बदल दिया है, न केवल रेसाई को बदला है बल्कि हमारे शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान को ही ध्वस्त कर दिया है, जिससे हमारा स्वास्थ्य तो चौपट हो ही रहा है, हमारे पारिवारिक एवं भावनात्मक संबंध भी चरमरा रहे हैं। देश-दुनिया में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का चलन और इससे होने वाले नुकसान बढ़ते जा रहे हैं। मोटापा सहित अनेक बीमारियां संकट पैदा कर रही है। इन्हीं चिन्ताओं के बीच यूनिसेफ की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाती भी है एवं लगातार स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण को दशार्ती है। यूनिसेफ ने भारत समेत 97 देशों में अध्ययन कर बताया है कि पिछले 15 साल में दुनियाभर में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी है, जिससे जेब पर भी असर पा है और स्वास्थ्य पर भी, विशेषतः पारिवारिक संरचना पर। ज्यादा-से-ज्यादा चेन स्टोर-सुपरमार्केट खुलने के बाद लोग इनका अधिक सेवन कर रहे हैं। जिन देशों में प्रतिव्यक्ति सर्वाधिक चेन किराना स्टोर एवं सुपरमार्केट हैं, वहां लोग ज्यादा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ खरीदते हैं। नेचर फू पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए व्यक्ति, परिवार, समाज एवं सरकार को सख्त एवं प्रभावी कदम उठाने होंगे।

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंके बताते हैं कि बीते ढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की खरीद बढ़ने से अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात में भोजन पर खर्च बहुत अधिक बढ़ा है। भारत में भी पिछले साल के अंत में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण की रिपोर्ट कहती है कि लोगों के खाद्य बजट में सब्जियों, पैकेटबंद चीजों एवं जंक फूस की ही बी हिस्सेदारी है। खाद्य पदार्थों के व्यापार पर नजर रखने वाली एजेंसी यूरोमॉनिटर के मुताबिक, भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फू की प्रतिव्यक्ति सालाना बिक्री 2005 में दो किलोग्राम थी, जो 2019 में छह किलोग्राम और 2024 में आठ किलोग्राम हो गयी। सीएसइ (सेंटर फॉर साइंस एं इन्वायर्नमेंट) द्वारा भारत में किये गये अध्ययन से भी इसका खुलासा हुआ है कि जंक फू और पैकेटबंद भोजन मोटापा, कैंसर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और दिल की बीमारियां बढ़ा रहे हैं। यह कितना बा मुद्दा है, इसे इसी से समझा जा सकता है कि इस बार बजट से पहले की आर्थिक समीक्षा में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फू पर अधिक टैक्स लगाने की सिफारिश की गयी थी। जाहिर है, अगर अभी नहीं संभले, तो बहुत देर हो जायेगी। इंसानों की तोंद बढ़ती जा रही है। इस बढ़ते मोटाने की भयावहता को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ जंग छी है। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रधानंत्री ने कहा कि 2050 तक 44 करो भारतीय मोटापे का शिकार होंगे। प्रधानमंत्री ने इन आंको को खतरनाक बताते हुए मोटापे को मात देने के लिए लोगों को मंत्र भी दिये हैं। ये मंत्र हैं- खाने वाले तेल में लोग 10 फीसदी की कटौती एवं जीवनशैली में बदलाव करें। अगर समय पर इस पर ध्यान नहीं गया तो भविष्य में बी स्वास्थ्य समस्याएं होंगी। मोटापे की वजह से हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकता है। स्वाद में चटपटी और जब जरूरत हो, तब पैकेटबंद भोजन की उपलब्धता ने हमें अपने घर की रसोई की जगह बाजार पर निर्भर बना दिया है इसके लिए बाजार ने कई तरह के लुभावने एवं बाजारवादी तर्क और नारे गढ़ रखे हैं। ये नारे और तर्क हमें लुभाते एवं गुलाम बनाते हैं। समय की बचत के नाम पर हमें मजबूर करते हैं कि हम अपने घर की रसोई को बंद ही रखें। हमारे खान-पान की परंपरा और पौष्टिकता पर यह एक तरह से हमला है। बाजार हमें सिखाना चाहता है कि परिवार में जब जिसको भूख लगे, वह बाजार जाए, आनलाइन ऑर करें औरखा ले। पहले परिवार के लोग एक साथ बैठकरखाते थे, तब परिवार का हर सदस्य एक दूसरे के सुख-दुख से परिचित होता एवं संवेदनाओं से जुता था। दुख, परेशानियों, निराशाओं को दूर करने का सामूहिक प्रयास किया जाता था। सलाह मशविरा किए जाते थे। आज हमें बाजार सामूहिकता से काटकर वैयक्तिक एवं एकांगी बना रहा है। यदि हमने अपनी रसोई को सहेजकर नहीं रखा, तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब हमें पूरी तरह बाजार के ब्बिाबंद भोजन पर ही निर्भर रहना पे।

विशेषज्ञों का कहना है कि करीब 14 फीसदी वयस्क और 12 फीसदी बच्चे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूस की लत का शिकार बन चुके हैं। लोगों में स्वास्थ्य के नजरिए से हानिकारक इन खाद्य पदार्थों को लेकर जो लगाव है, वो शराब और तम्बाकू जितना ही बढ़ चुका है। बता दें कि दुनिया भर में 14 फीसदी लोग शराब के और 18 फीसदी लोग तम्बाकू के आदी बन चुके हैं। ऐसे में 14 फीसदी वयस्कों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फू की दीवानगी एवं आकर्षण बेहद गंभीर खतरे की ओर इशारा करती है। यह जानकारी अमेरिका, ब्राजील और स्पेन के शोधकताओं द्वारा किए अध्ययन में सामने आई है, जिसके नतीजे नौ अक्टूबर 2023 को द ब्रिटिश मेकिल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन 36 देशों में प्रकाशित 281 अध्ययनों के विश्लेषण पर आधारित है।

आजकल मार्केट में पैकेटबंद एवं जंक फूस की भरमार है। चिप्स से लेकर दूध, मसाले और हर एक चीज प्लास्टिक, एल्युमिनियम या पेपर की पैकिंग के साथ आ रही है। सुविधा के नाम पर हो रहा यह हमला कई सारे साइ इफेक्ट्स दे रहा हैं। न सिर्फ बे बल्कि बच्चे भी पैकेटबंद चिप्स, जूस, कुकीज और नमकीन, नूल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी भी तरह की खाने-पीने की चीज की अगर पैकेजिंग की जाती है तो उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और ज्यादा समय तक चलने के लिए तीन चीजें मिलायी जाती हैं। प्रीजर्वेटिव्स, नकली रंग और एक्स्ट्रा फैट। कुछ समय पहले आई एक स्टी में बताया गया कि पैकेटबंद फूस में इमल्सीफायर नाम का एक कंपाउं पाया जाता है, जो दिल की सेहत यानी हार्ट हेल्थ के लिए खतरनाक होता है, इससे कायोवैस्कुलर बीमारियां हो सकती हैं, यह कंपाउं ब्ल प्रेशर लेवल को बढ़ा सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में इमल्सीफायर जब शरीर में पहुंचता है तो इससे शरीर की शक्ति क्षीण होने लगती है और कमजोरी-थकान-सुस्ती बढ़ती है।

पैकेटबंद भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैकेटबंद भोजन अक्सर अतिरिक्त चीनी, नमक और वसा से भरपूर होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इनमें फाइबर की कमी होती है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मिलावट की संभावना अधिक होती है, इनमें स्नेह, प्यार, अपनापन एवं ममत्व नहीं होने से यह पोषित नहीं होते। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि पैकेटबंद भोजन में पाए जाने वाले कुछ रसायन कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। बच्चों में पैकेटबंद भोजन का अधिक सेवन उनके शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्राचीनकाल से ही हमारे देश में घर का चूल्हा यानी रसोई जहां स्वास्थ्य की प्रयोगशाला होती थी वही पूरे परिवार को जोने का केंद्र रही है। यह रसोई ही थी जिसने परिवार को हर सदस्य से प्रेम करना सिखाया। एक दूसरे की इज्जत, सुरक्षा, देखभाल एवं स्वस्थ रहना सिखाया। संयुक्त परिवार के दिनों में सास-बहू, देवरानी-जेठानी, ननद-भाभी के बीच पनपे मतभेद को मनभेद में बदलने से रोका,भोजन बनाते या साथ बैठकर खाते समय सारे मतभेद, गुस्से को तिरोहित करना भी रसोई ने ही सिखाया। यही हाल पुरुषों का भी था। जब साथ बैठकर खाते थे, तो आपसी मतभेद, मनमुटाव हवा हो जाते थे। लेकिन आज उसी रसोई पर संकट मंरा रहा है।

आत्मनिर्भर खेती की पहल

- बाबा मायाराम

यह बदलाव की कहानी है पिछली कुछ सालों से चल रही है। देसी बीज सुरक्षा मंच के संयोजक सरोज भाई व कार्यकर्ता दशरथी बेहरा ने बताया कि वर्ष 2013 में इस मंच की स्थापना हुई। हालांकि अनौपचारिक रूप से इसकी प्रक्रिया पहले शुरू हो गई थी। इस काम को आगे बढ़ाने में प्रगतिशील किसान, गैर सरकारी संगठन ने योगदान दिया है।

अब रासायनिक खेती के दुष्परिणाम सामने आ गए हैं। देश के किसान भी अब इसे बखूबी समझ गए हैं। इसी के मद्देनजर ओशिा में देशी बीज सुरक्षा मंच काफी सक्रिय है। हर साल देसी बीज मेला भी आयोजित किया जाता है। उनकी इस पहल से कई किसान जु रहे हैं। मैं कई बार ओशिा गया हूं और इस मंच के सक्रिय कार्यकताओं से मिला हूं। आज इस कॉलम में जैविक खेती की अनूठी पहल पर चर्चा करना उचित होगा, जिससे इस पहल को समग्रता से समझा जा सके।

यह बदलाव की कहानी है पिछली कुछ सालों से चल रही है। देसी बीज सुरक्षा मंच के संयोजक सरोज भाई व कार्यकर्ता दशरथी बेहरा ने बताया कि वर्ष 2013 में इस मंच की स्थापना हुई। हालांकि अनौपचारिक रूप से इसकी प्रक्रिया पहले शुरू हो गई थी। इस काम को आगे बढ़ाने में प्रगतिशील किसान, गैर सरकारी संगठन ने योगदान दिया है।

मंच के संयोजक सरोज भाई ने बताया कि मंच का उद्देश्य देसी बीजों की सुरक्षा और संवर्धन करना है। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, बाजार पर निर्भरता को कम करना और समाज व किसान को आत्मनिर्भर बनाना है। भोजन में पोषणयुक्त खाद्य शामिल करना है। ऋणमुक्त किसान और जहरमुक्त अनाज करना है, जिससे समाज स्वस्थ बने और किसानी बची रहे।

जब मैं पिछले साल ओशिा के बरगढ़ शहर गया तो मंच के कार्यकर्ता दशहरी बेहरा से लंबी बातचीत हुई थी। उन्होंने मुझे बीज बैंक दिखाया था, और खेती से जुा साहित्य व पोस्टर प्रदर्शनी दिखाई थी। उन्होंने बताया कि मंच के प्रयासों से पौष्टिक अनाजों की खेती की ओर भी किसानों का ध्यान गया है और वे इनकी खेती कर रहे हैं।

कुछ साल पहले मुझे दशहरी बेहरा के साथ रायगा जिले का दौरा करने का मौका मिला था, वहां हमने मिश्रित खेती करने वाले कई किसानों से बातचीत की थी। पौष्टिक अनाजों की खेती करने वाले आदिवासियों के खेत देखे थे। मंच अपने वार्षिक कार्यक्रमों में किसानों को जोने के लिए प्रयासरत है।

देसी बीज सुरक्षा मंच ने प्राकृतिक जैविक खेती को बढ़ावा दिया है। इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हरी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया है। इससे खेती में लागत खर्च कम हुआ है, मिट्टी में सुधार हुआ है, और उत्पादन बढ़ा है। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए इलाके में प्रशिक्षणकर्ता तैयार किए हैं, जो किसानों को जैविक खाद व जैव कीटनाशक तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं।

इसके अलावा, समुदाय आधारित 20 बीज बैंक बनाए गए हैं। इनमें 1300 धान की देसी किस्में, 90 सब्जी के देसी बीज, 10 दलहन के बीज शामिल हैं। इसके साथ ही 10 स्कूलों में किचन गार्डन का काम किया जा रहा है। इसे स्कूली पाठ्यक्रम से भी जोने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मंच से गैर सरकारी संस्थाएं, जैविक खेती करने वाले किसान और जागरूक नागरिक जुे हैं। यहां के मीया ने भी इस खेती के प्रचार-प्रसार में मदद दी है। जैविक खेती के किसान सुदाम साहू बताते हैं कि वे बहुत कम उम्र से खेती करने लगे थे। जब वे 7 वीं कक्षा में पढ़ते थे, तब से उनके मां-बाप के साथ खेती सीख रहे थे। पर रासायनिक खेती में उनका मन नहीं लगता था।

स्वास्थ्य के प्रति करना होना होगा जागरूक

रमेश सर्राफ धमोरा

स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर पने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं। इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए। आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरूआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुे सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरूआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं। वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीति हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को ीपीटी का टीका देना पता है।

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में ॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक ॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे देश में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग बी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ा है। ये बीमारियां बी तादाद में उनकी मौत का कारण बन रही हैं। ग्रामीण तबके में देश की अधिकतर आबादी उचित खानपान के अभाव में कुपोषण की शिकार हो रही है। महिलाओं, बच्चों में कुपोषण का स्तर अधिक देखा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार प्रति 10 में से सात बच्चे एनीमिया से पीति हैं। वहीं महिलाओं की 36 प्रतिशत आबादी कुपोषण की शिकार है।भारत में इलाज पर अपनी जेब से खर्च करने वाले पीति लोगों की संख्या ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। भारत की तुलना में इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से अधिक खर्च करने वाले लोगों का देश की कुल जनसंख्या में प्रतिशत श्रीलंका में 2.9 फीसदी, ब्रिटेन में 1.6 फीसदी, अमेरिका में 4.8 फीसदी और चीन में 17.7 फीसदी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार अभी भी बहुत से लोग ऐसी बीमारियों से मर रहे है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि देश की आबादी का 3.9 फीसदी यानी 5.1 करो भारतीय अपने घरेलू बजटा का एक चौथाई से ज्यादा खर्च इलाज पर ही कर देते हैं। जबकि श्रीलंका में ऐसी आबादी महज 0.1 फीसदी है,

ब्रिटेन में 0.5 फीसदी, अमेरिका में 0.8 फीसदी और चीन में 4.8 फीसदी हैं। इलाज पर अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा खर्च करने वाली आबादी का वैश्विक औसत 11.7 फीसदी है। इनमें 2.6 फीसदी लोग अपनी आय का 25 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इलाज पर खर्च करते हैं और दुनिया के करीब 1.4 फीसदी लोग इलाज पर खर्च करने के कारण ही अत्यंत गरीबी का शिकार हो जाते हैं।

उत्तरी वियतनाम में अचानक आई बाढ़ में आठ लोगों की मौत, तीन लापता

एजेंसी

हनोई। वियतनाम के उत्तरी प्रांत डिएन बिएन में हाल के दिनों में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के बाद आठ लोगों की मौत हो गयी है और अन्य तीन लापता हैं। वियतनाम समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। वियतनाम आपदा एवं डाइक प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार शनिवार सुबह 06 बजे तक लगभग 60 घर बाढ़ के पानी में बह गए या क्षतिग्रस्त हो गए। बाढ़ के कारण यातायात बाधित होने के से तीस गांवों को अन्य इलाकों से संपर्क टूट गया। लापता लोगों की तलाश के लिए पुलिस, सैन्य बल, स्थानीय मिलिशिया और विभिन्न जन संगठनों के सदस्यों सहित लगभग 700 कर्मियों को तैनात किया गया है। जा डुंग कम्यून के एक क्षेत्रीय दौरे के दौरान आज सुबह वियतनामी उप प्रधानमंत्री ट्रान होंग हा ने स्थानीय अधिकारियों से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई करें कि कोई भी आपदा से पीड़ित व्यक्ति भूखा न रहे, लंबे समय तक संपर्क से दूर न रहे, या सूचना तक उसकी पहुंच न हो। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बचावकर्मियों और बाढ़ प्रभावित निवासियों, दोनों की सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मेक्सिको के ओक्साका में भूकंप के झटके

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के ओक्साका में भूकंप के झटके महसूस किए गए है। जीएफजेड जर्मन भूविज्ञान अनुसंधान केंद्र ने यह जानकारी दी है। केन्द्र ने बताया कि ओक्साका में अंतरराष्ट्रीय समयानुसार 17:58: बजे पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.8 मापी गयी। भूकंप का केंद्र 17.54 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 95.96 डिग्री पश्चिमी देशांतर पर 10 किमी की गहराई पर था।

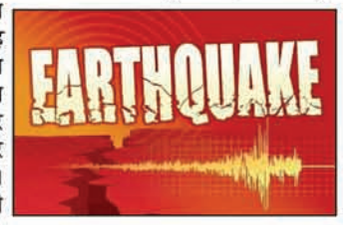

तेल अवीव में विटकॉफ के दौरे के दौरान बंधकों के परिवारों ने विरोध प्रदर्शन किया

यरूशलम। इजरायल के तेल अवीव में अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ के दौरे के दौरान बंधकों के परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी होस्टेज स्क्वायर पर एकत्रित हुए और इज़रायली सरकार से एक युद्धविराम समझौता करने का आग्रह किया जिससे गाजा में हमास और अन्य उग्रवादी समूहों द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को वापस लाया जा सके। यह प्रदर्शन इस सप्ताह की शुरुआत में हमास और फ़िलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद द्वारा नए वीडियो जारी किए जाने के बाद हुआ, जिसमें इज़राइली बंधक एव्यातार डेविड और रोम ब्रास्लावस्की की हालत बेहद नाजुक दिखाई दे रही है। विरोध प्रदर्शन के समूहों में से एक बंधक और लापता परिवार मंच ने इज़रायली और अमेरिकी सरकारों से इस दुःस्वप्न को रोकने और उन्हें कैद से बाहर निकालकर घर वापस लाने का आह्वान किया। पश्चिम एशिया में अमेरिका के विशेष दूत विटकॉफ ने प्रदर्शनों के बीच चौक का दौरा किया। उन्होंने बंधकों के परिवारों से बात करते हुए बातचीत में बदलाव की आवश्यकता पर ज़ोर दिया जिसमें सभी बंधकों को एक साथ रिहा किया जा सके। होस्टेजेस फ़ोरम के अनुसार विटकॉफ ने परिवारों को आश्वासन दिया कि अमेरिका आपके बच्चों को घर पहुँचाएगा, किसी भी बुरे कृत्य के लिए हमास को ज़िम्मेदार ठहराएगा और गाजा के लोगों के लिए जो सही होगा, वह करेगा। उल्लेखनीय है कि इज़रायल के सात अक्टूबर, 2023 से गाजा पर हमले में 60,000 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं और 1,48,000 से ज़्यादा घायल हुए हैं। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि 93 बच्चों सहित कुल 169 लोगों की भुखमरी और कुपोषण से मौत हो चुकी हैं।

बुल्गारिया रूसी संयत्र के सभी पुर्जों को बदलने में सक्षम नहीं : रूसी राजदूत

मॉस्को। बुल्गारिया में रूस के राजदूत एलेनोरा मित्रोफानोवा ने स्पष्ट किया है कि रूसी उपकरणों के विकल्प खोजने के जारी प्रयासों के बावजूद बुल्गारिया कोझलोडुय परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी) में सभी रूसी इकाइयों में पूरी तरह से पुर्जों को बदलने में सक्षम नहीं है। सुश्री मित्रोफानोवा ने संवाद एजेंसी स्पुतनिक को बताया कि 1970 में रूस की महत्वपूर्ण सहायता से बनाया गया कोझलोडुय संयंत्र इस समय बुल्गारिया में चलने वाला एकमात्र परमाणु संयंत्र है। उन्होंने कहा, राजनीतिक कारणों से बुल्गारिया सक्रिय रूप से अमेरिका, चेक गणराज्य, यूक्रेन और अन्य देशों से रूसी उपकरणों के विकल्प तलाश रहा है। पिछले साल मई से यूनिट पांच का तथाकथित 'लोकतांत्रिक' अमेरिकी परमाणु ईंधन में क्रमिक परिवर्तन शुरू हो गया था। हालाँकि सभी पुर्जों को बदलना संभव नहीं है। इस संदर्भ में रोसाटॉम संयत्र के लिये लक्षित तकनीकी रखरखाव प्रदान करना जारी रखे हुए है। राजदूत ने कहा कि रूस के विरुद्ध यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों में समग्र रूप से परमाणु ऊर्जा को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, हालाँकि परमाणु ऊर्जा यूरोपीय संघ के अवैध रूस-विरोधी प्रतिबंधों से सामान्यतः मुक्त है फिर भी कुछ घटक विशेषकर स्टील के पुर्जे और रोसाटॉम के विशिष्ट प्रभागों की सेवाएँ प्रतिबंधों के अधीन हैं। सश्री मित्रोफानोवा ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में छूट प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसी ही एक छूट जून में दी गई थी।

रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा, 'हमने 41 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए'

एजेंसी

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने चार घंटे से भी कम समय में यूक्रेन के 41 ड्रोन नष्ट कर मार गिराए। ये ड्रोन शाम 8 बजे से रात 11:25 बजे (मॉस्को के समयानुसार) के बीच रूस के कई इलाकों में देखे गए और उन्हें तत्परता से जवाब देते हुए गिरा दिया गया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, सभी ड्रोन को रूस के एयर डिफेंस सिस्टम ने समय पर पहचान कर नष्ट किया। इन हमलों में किसी बड़े नुकसान की जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन हाल ही में यूक्रेनी हमलों में आम लोगों पर हो रहे हमलों को लेकर रूस ने गंभीर चिंता जताई है। रूस ने यूक्रेन पर आम नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। रूस के अनुसार, बीते एक हफ्ते में गोलाबारी और ड्रोन हमलों में 7 लोगों की मौत हुई है और

120 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें 11 बच्चे भी शामिल हैं। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बताया, 16 जुलाई को स्मोरोदिनो गांव में एक महिला की मौत हो गई जब दुश्मन ड्रोन ने उसके घर पर हमला किया। नोवोस्त्रोएवका-पेर्वाया गांव में एक ड्रोन ने खेत में काम कर रहे कंबाइन हार्वेस्टर पर हमला किया, जिससे ड्राइवर घायल हो गया। प्रित्सेपिलोवका और नोवाया तावोलझांका गांवों में ड्रोन हमलों में तीन लोग घायल हुए। 17 से 22 जुलाई के बीच ड्रोन से पांच पैसेंजर कारों पर हमला किया गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हुई और छह अन्य घायल हुए। 20 जुलाई को शेबेकिनो शहर में गोलाबारी और ड्रोन हमले में दो लोग घायल हुए, जबकि तोगोबियेवका गांव में एक महिला को चोट आई। 22 जुलाई को इलैक-पेनकोवका गांव में एक गोले से एक रिहायशी मकान पूरी तरह नष्ट हो गया, जिसमें एक महिला और दो किशोर घायल हुए। जखारोवा ने कहा कि यूक्रेनी सेना बार-बार आम रूसी नागरिकों को निशाना बना रही है, जो सिर्फ अपने रोजमर्रा के कामों में लगे रहते हैं।

बलोचों की मर्ज़ी के बिना कोई नहीं ले पाएगा बलोचिस्तान के संसाधन : फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान से बलोचिस्तान की आज़ादी की जद्दोजहद कर रहे बलोचिस्तान मुक्ति आंदोलन ने स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद एक स्वतंत्र देश के रूप में अपने स्वरूप, शासन प्रणाली एवं सामाजिक व्यवस्था को लेकर पूरी योजना तैयार कर ली है और वैश्विक शक्तियों को संदेश दिया है कि वे बलोचिस्तान के संसाधनों को साझा करने के लिए पाकिस्तान का रास्ता अख्तियार नहीं करें। फ्री बलोचिस्तान मूवमेंट के कार्यकर्ता मीर यार बलोच ने हिन्दुस्थान समाचार के साथ वर्चुअल बातचीत में बलोचिस्तान की स्वतंत्रता का घोषणापत्र एवं संविधान के खाका को भी साझा किया। इसमें कहा गया है कि बलोचिस्तान एक सेकुलर देश होगा जिसमें मजहब या धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा और हर नागरिक को स्वेच्छा से किसी भी धर्म या मजहब का पालन करने का अधिकार होगा। सभी नागरिकों को समान अधिकार होंगे। दस्तावेज़ में कहा गया है कि देश की शासन प्रणाली लोकतांत्रिक होगी और बलोचिस्तान की राष्ट्रीय सेना का काम केवल देश की सीमाओं की रक्षा करना होगा और सेना में सेवारत हर अधिकारी या सैनिक के लिए किसी भी व्यावसायिक गतिविधि में भाग लेना वर्जित होगा। मिडिल ईस्ट मीडिया रिसर्च इंस्टीट्यूट (मेमरी) में बलोचिस्तान स्टडीज़ प्रोजेक्ट के सलाहकार मीर यार बलोच के अनुसार बलोचिस्तान का सपना हकीकत से बहुत दूर नहीं है। बलोचिस्तान लिबरेशन चार्टर में जिस स्वतंत्र बलोचिस्तान का मानचित्र साझा किया गया है।

5.1 तीव्रता के भूकंप से दहला पाकिस्तान, 24 घंटे में दूसरा झटका

एजेंसी

इस्लामाबाद। रविवार तड़के पाकिस्तान के कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेशनल सिस्मिक मॉनिटरिंग सेंटर (एनएसएमसी) के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता 5.1 मापी गई।

भूकंप का केंद्र रावत से 15 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में था और इसकी गहराई सिर्फ 10 किलोमीटर थी। यह झटके दरमियानी रात 12:10 बजे महसूस किए गए, जिससे लोग डर के मारे घरों से बाहर निकल आए और कलिमा तय्यबा पढ़ते रहे। भूकंप का असर खैबर पख्तूनख्वा, इस्लामाबाद, रावलपिंडी और आस-पास के कई इलाकों में देखा गया। भूकंप के झटके इस्लामाबाद और रावलपिंडी के साथ-साथ मर्दान, मुर्री, हरिपुर, चकवाल, ताला गंग और कलर कहार तक महसूस किए गए। झटकों के बाद रिपोर्ट के मुताबिक, लोग देर रात तक खुले आसमान के नीचे रहे, क्योंकि उन्हें आफ्टरशॉक्स (भूकंप के बाद के झटकों) का डर था। भी

5.4 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र अफगानिस्तान के हिंदुकुश पर्वतीय क्षेत्र में था। इसकी गहराई 102 किलोमीटर थी। एनएसएमसी ने बताया कि इस भूकंप के झटके पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ताजिकिस्तान के कई हिस्सों में महसूस किए गए।खैबर पख्तूनख्वा में भूकंप के झटके पेशावर, स्वात, मलकंद, नौशेरा, चारसद्दा, करक, दीर, मर्दान, मोहम्मद, शांगला, हंगू, स्वाबी, हरिपुर और एबटाबाद में महसूस किए गए। इस्लामाबाद, रावलपिंडी, लाहौर, अटॉक, टेक्सिला, मुर्री, सियालकोट, गुजरांवाला, गुजरात, शेखुपुरा, फिरोजवाला और मुरिदके में भी ये झटके महसूस किए गए। अब तक दोनों भूकंपों से किसी भी तरह की जान-माल की हानि की कोई खबर नहीं आई है।

दक्षिण अफ्रीका के वेस्टर्न केप में बर्ड फ्लू के नए मामलों की पुष्टि, सतर्कता की अपील

एजेंसी

केप टाउन। दक्षिण अफ्रीका के वेस्टर्न केप प्रांत में बर्ड फ्लू के नए मामलों की पुष्टि हुई है, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन ने आम जनता और पोल्ट्री किसानों से सतर्क रहने की अपील की है। हालांकि अधिकारियों ने यह भी कहा है कि घबराने की आवश्यकता नहीं है।प्रांत के कृषि विभाग की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि वेस्टर्न केप कृषि विभाग पोल्ट्री किसानों और आम जनता को उच्च रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) के नए मामलों को लेकर सतर्क करता है।

बयान के अनुसार, हाल ही में यह वायरस नॉर्थ वेस्ट और म्पुमालांगा प्रांतों में मुर्गियों में फैल चुका है, जबकि वेस्टर्न केप में पार्ल के पास फार्म किए गए बतखों में जुलाई की शुरुआत में संक्रमण की पुष्टि हुई। संक्रमित बतखों और उनसे जुड़े मुर्गी समूहों को संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए स्वेच्छा से और मानवीय ढंग से मार दिया गया। इसके अलावा, केप

टाउन क्षेत्र में ग्रेट व्हाइट पेलिकन पक्षियों की असामान्य मौतें बर्ड फ्लू के कारण हुई है। बयान में कहा गया कि यह वेस्टर्न केप में अप्रैल 2024 के बाद पहली बार जंगली पक्षियों में संक्रमण की पुष्टि है और 2022 के बाद पहला सामूहिक मृत्यु प्रकरण है। विभाग के अनुसार, स्थिति चिंताजनक है लेकिन मनुष्यों में संक्रमण की कोई पुष्टि नहीं हुई है और न ही व्यक्ति से व्यक्ति में यह वायरस फैलने के प्रमाण हैं। विभाग ने कहा है कि सतर्कता और सहयोग से ही इस वायरस के फैलाव को रोक सकते हैं और अपने पक्षियों, पोल्ट्री उद्योग और समुदायों की रक्षा कर सकते हैं।

ईरान ने इजरायल से सभी हवाई पाबंदियां हटाईं, उड़ानें सामान्य हुईं

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र पर लगी आखिरी पाबंदियां भी हटा ली हैं। ये पाबंदियां इजरायल के साथ 12 दिनों तक चले संघर्ष की शुरुआत में लगाई गई थीं।

ईरान की सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन (सीएओ) ने अपनी वेबसाइट पर यह जानकारी दी। सीएओ ने कहा कि अब घरेलू और अंतरराष्ट्रीय सभी उड़ानें पहले की तरह पूरी तरह बहाल हो गई हैं। साथ ही यह भी बताया कि तेहरान का मेहराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब 24 घंटे काम करेगा। सीएओ ने बयान में कहा, अब सभी एयरलाइंस और ट्रैवल एजेंसियां 24 घंटे की फ्लाइट सेवाएं और टिकट बिक्री दोबारा शुरू कर सकती हैं। ईरान ने 13 जून को इजरायली हवाई हमलों के बाद अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया था। यह संघर्ष 24 जून को संघर्षविराम (सीजफायर) के साथ

खत्म हुआ। इसके बाद 26 जून से हवाई क्षेत्र को धीरे-धीरे फिर से खोला गया, और एयरपोर्ट्स पर सामान्य उड़ानें शुरू हो गईं। 17 जुलाई को सीएओ ने बताया कि सभी एयरपोर्ट्स पूरी तरह से चालू हो चुके हैं; केवल मेहराबाद एयरपोर्ट पर सुबह 4 बजे से शाम 7 बजे तक (स्थानीय समय) ही उड़ानें चल रही थीं। अब यह एयरपोर्ट भी 24 घंटे खुला रहेगा। इस पूरे संघर्ष की शुरुआत 13 जून को हुई, जब इजरायल ने ईरान के कई इलाकों पर बड़े हवाई हमले किए, जिनमें न्यूक्लियर और मिलिट्री ठिकाने भी शामिल थे। इन हमलों में सीनियर कमांडर, परमाणु वैज्ञानिक और कई नागरिक मारे गए। समाचार एजेंसी के मुताबिक, इसकी जवाबी कार्रवाई में ईरान ने इजरायल पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। जून को अमेरिकी सेना ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी की। इसके जवाब में ईरान ने कतर स्थित अमेरिकी अल उदैद एयरबेस पर हमला किया। लगातार 12 दिनों तक चले इस युद्ध के बाद 24 जून को ईरान और इजरायल के बीच संघर्षविराम हो गया। उसके बाद ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को धीरे-धीरे दोबारा खोलना शुरू किया। अब जब सभी पाबंदियां हटा दी गई हैं, तो ईरान में हवाई सेवाएं पूरी तरह से सामान्य हो गई हैं।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में मोर्टार शेल विस्फोट में 5 बच्चों की मौत, 13 घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक दर्दनाक हादसे में पांच बच्चों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। यह घटना प्रांत के लक्की मरवत जिले में उस समय हुई जब बच्चे खेलते-खेलते पहाड़ी इलाके में एक मोर्टार शेल के संपर्क में आ गए।पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब बच्चे अज्ञात रूप से पड़े एक बिना फटे मोर्टार शेल को छेड़ने लगे, जिससे अचानक विस्फोट हो गया। इस धमाके में पांच बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 13 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंचे और घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि विस्फोटक उपकरण की उत्पत्ति और इलाके में उसकी मौजूदगी की जांच की जा रही

है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि मोर्टार शेल वहां कैसे पहुंचा।स्थानीय प्रशासन ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है और घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की है।

भारत ने नेपाल में चावल की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन मजबूत करने के लिए परियोजना शुरू की

एजेंसी

काठमांडू। भारत ने संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत नेपाल में चावल की आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को मजबूत करने के लिए एक परियोजना शुरू की है। नेपाल में यह परियोजना 12 महीनों के भीतर तीन चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में आवश्यकताओं का मूल्यांकन और हितधारकों की भागीदारी शामिल होगी। दूसरे चरण में नेपाली अधिकारियों के लिए भारत की अध्ययन यात्रा, व्यावहारिक प्रदर्शन और विशेषज्ञ ब्रीफिंग की पेशकश शामिल होगी। अंतिम चरण में कार्य योजना तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। काठमांडू में भारतीय दूतावास ने एक बयान में बताया कि इस परियोजना का उद्देश्य भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के साथ ज्ञान के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाकर

नेपाल की मजबूत चावल आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करना है। यह पहल प्रभावी खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों के उपयोग को भी बढ़ावा देगी। दूतावास ने कहा कि परियोजना के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में लाभार्थी प्रबंधन, भंडारण, वितरण मॉडल, निगरानी, मूल्यांकन प्रणाली और शिकायत निवारण तंत्र शामिल हैं। यह पहल भारतीय विदेश मंत्रालय ने 01 अगस्त को नई दिल्ली में शुरू की थी। इसकी घोषणा पहली बार सितंबर, 2023 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के दौरान की गई थी। इस परियोजना के तहत प्रशिक्षण भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। दूतावास के अनुसार 2001 से अब तक 3,000 से अधिक नेपाली अधिकारियों ने आईटीईसी ढांचे के तहत भारत में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। दूतावास ने कहा कि यह भारत और नेपाल के बीच बढ़ती विकास साझेदारी को दर्शाता है और नवाचार और सहयोग के माध्यम से लचीली खाद्य प्रणालियों के निर्माण के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

थाई सेना को मिली सख्ती की छूट, अब बिना चेतावनी के मार गिरा सकेंगी ड्रोन और मानव रहित हवाई वाहन

एजेंसी

बैंकॉक। थाईलैंड सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सेना और पुलिस बल को यह अधिकार प्रदान किया है कि वे किसी भी अज्ञात या अनधिकृत ड्रोन और मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) को बिना किसी पूर्व चेतावनी के रोक या मार गिरा सकते हैं। यह निर्णय हाल ही में लागू किए गए ड्रोन संचालन प्रतिबंध के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। थाई रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि कोई ड्रोन बिना अनुमति के उड़ता पाया जाता है (विशेष रूप से सुरक्षा-गंभीर क्षेत्रों जैसे सैन्य अड्डों, सरकारी प्रतिष्ठानों या सीमावर्ती इलाकों में) तो सेना या पुलिस को उसे तत्काल निष्क्रिय करने का पूरा अधिकार होगा।बताया गया है कि यह आदेश 29 जुलाई 2025 से प्रभावी हो गया है। थाई सेना के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि नागरिकों और

संस्थानों को नए निर्देशों के तहत पहले से अनुमति लेनी होगी, अन्यथा उनके ड्रोन को भी खतरनाक वस्तु मानते हुए कार्रवाई की जाएगी।विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम देश में बढ़ते ड्रोन-संबंधित सुरक्षा खतरों को नियंत्रित करने की दिशा में एक निर्णायक पहल है। बीते वर्षों में थाईलैंड में ड्रोन के दुरुपयोग की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें जासूसी, तस्करी और अवैध निगरानी जैसे मामले शामिल हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी संदिग्ध ड्रोन गतिविधि की जानकारी मिलती है, तो संबंधित अधिकारी बिना किसी चेतावनी के कार्रवाई करने के लिए अधिकृत होंगे। इसके लिए सेना और पुलिस को तकनीकी प्रशिक्षण और आधुनिक ड्रोन रोधी उपकरण भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

कैलास मानसरोवर जाने वाले भारतीय श्रद्धालुओं के लिए नियमित बस सेवा शुरू करने की मांग

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली अधिकारियों ने चीन के साथ हुई सीमा सुरक्षा बैठक में कैलास मानसरोवर जाने वाले भारतीय श्रद्धालुओं के लिए नियमित बस सेवा शुरू करने की मांग की है। चीन के सीमावर्ती शहर झाँगमू में हुई सीमावर्ती जिलों के सुरक्षा और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक में नेपाल के रास्ते मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले भारतीय यात्रियों की समस्याओं से चीनी पक्ष को अवगत कराया गया। नेपाली पक्ष का नेतृत्व सिन्धुपालचोक जिले के प्रमुख जिला अधिकारी किरण थापा ने किया। थापा ने बताया कि मानसरोवर यात्रा के दौरान भारतीय श्रद्धालुओं को ई-वीजा में हो रही देरी को लेकर भी नेपाली पक्ष की तरफ से इस बैठक में चर्चा की गयी। चीन ने इस वर्ष नेपाल के रास्ते 20,000 भारतीय यात्रियों को कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर आने की अनुमति दी है। चीन की सीमा से कैलाश मानसरोवर तक की यात्रा के लिए नियमित बस सेवा शुरू करने को लेकर भी चीनी पक्ष से आग्रह किए जाने की जानकारी प्रमुख जिला अधिकारी थापा ने दी है। उन्होंने बताया कि बस सेवा का नियमित संचालन नहीं होने से मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को घंटों तक सीमा क्षेत्र में इंतजार करना पड़ रहा है। इसके अलावा भारतीय यात्रियों को ई-वीजा लेने में भी काफी समय लगने की भी समस्या से चीनी पक्ष को अवगत कराया गया।

नेपाल में पांच विधेयकों को लेकर सत्तारूढ़ के घटक दलों में ही मतभेद बढ़े

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सत्तारूढ़ घटक दलों नेपाली कांग्रेस और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) के बीच मतभेद बढ़ता जा रहा है। इसी कारण अब तक संसद में भूमि विधेयक, शिक्षा विधेयक, सिविल सर्विस विधेयक, एंटी करप्शन ब्यूरो संबंधी विधेयक और संवैधानिक परिषद संबंधी विधेयक पास होने के इन्तजार में महीनों से लटके हैं। भूमि विधेयक को लेकर जनता समाजवादी पार्टी नेपाल ने तो सरकार से समर्थन ही वापस ले लिया है। अब इस विधेयक को लेकर नेपाली कांग्रेस ने भी सरकार के प्रस्तावित विधेयक का विरोध किया है। पार्टी के महामंत्री गगन थापा ने कहा है कि भूमि संबंधी विधेयक में कुछ संशोधन से काम नहीं चलने वाला है, इसलिए इसके पुनर्लेखन की ही आवश्यकता है। कांग्रेस के इस रुख का विरोध करते हुए यूएमएल संसदीय दल के प्रमुख सचेतक महेश बरतौला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का यह रुख गठबंधन के धर्म के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि

पार्टी के महामंत्री होकर गगन थापा को इस विषय पर सार्वजनिक बयान देने के बजाए उन्हें गठबंधन की बैठक में यह बात रखनी चाहिए। संसद के दोनों सदनों से भूमि विधेयक के पारित होने के बाद भी राष्ट्रपति ने आपत्ति दर्ज करते हुए वापस कर दिया।नेपाली कांग्रेस ने राष्ट्रपति के इस कदम का समर्थन किया है, तो यूएमएल ने इसका विरोध किया है। ही प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने राष्ट्रपति से मुलाकात कर इस संबंध में चर्चा की थी। इसी तरह लंबे समय से संसद में विचाराधीन शिक्षा विधेयक को लेकर सत्ता के साझेदार दोनों दलों में मतभेद अब खुल कर सामने आ गए हैं। यूएमएल ने इस विधेयक का समर्थन किया है, जबकि नेपाली कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। इसी कारण इस विधेयक पर सदन में चर्चा नहीं हो पा रही है। ऐसे ही एंटी करप्शन ब्यूरो से संबंधित विधेयक और सिविल सर्विस से संबंधित विधेयक को लेकर भी दोनों दलों के बीच मतभेद है। सिविल सर्विस विधेयक को लेकर गठबंधन दलों के बीच जनसहमति बनी थी। उसके विपरीत यूएमएल के सांसदों ने इसके प्रावधान को ही बदल दिया, जिसको लेकर संयुक्त संसदीय जांच समिति का गठन किया गया है। गठबंधन दल के बीच हुई सहमति के उलट यूएमएल के सांसदों की तरफ से इसमें संशोधन का प्रस्ताव रखने से नेपाली कांग्रेस सवाल खड़े कर रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोइराला ने कहा कि यूएमएल की तरफ से इस गठबंधन को तोड़ने के लिए माहौल तैयार किया जा रहा है।

होंडा की दुपहिया वाहनों की घरेलू बिक्री 6.2 प्रतिशत बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली । होंडा मोटर साइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) की घरेलू बिक्री इस साल जुलाई में 6.2 प्रतिशत बढ़कर 4,66,331 इकाई पर पहुँच गयी। पिछले साल जुलाई में उसने देश में 4,39,118 दुपहिया वाहन बेचे थे। कंपनी ने बताया कि निर्यात समेत उसकी कुल बिक्री जुलाई में 6.68 प्रतिशत बढ़कर 5,15,378 इकाई पर रही। पिछले साल जुलाई में उसने मोटरसाइकिल और स्कूटर समेत 4,83,100 वाहन बेचे थे। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीने में अप्रैल से जुलाई के बीच एचएमएसआई की कुल बिक्री 18,88,242 इकाई रही। इसमें 16,93,036 इकाई उसने देश में बेचे जबकि 1,95,206 इकाई का निर्यात किया। कंपनी ने जुलाई में दो नये मोटरसाइकिल सीबी125 होर्नेट और शाइन 100 डीएक्स लॉन्च किया।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस को 1,359.92 करोड़ का मुनाफा

मुंबई। होम लोन देने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1,359.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,300.21 करोड़ रुपये से 4.59 प्रतिशत अधिक है। कंपनी द्वारा जारी वित्तीय परिणामों में बताया गया है कि पहली तिमाही में परिचालन से उसका राजस्व 6.62 प्रतिशत बढ़कर 7,233.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसमें ब्याज से प्राप्त शुद्ध आय 2,065.78 करोड़ रुपये रही। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्रिभुवन अधिकारी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की शुरुआत काफी अच्छी हुई है। आरबीआई की नीतिगत दरों में कटौती को देखते हुये तिमाही के दौरान कंपनी ने ऋण पर ब्याज दरें घटायी हैं। उन्होंने उम्मीद जताई की प्रधानमंत्री आवास योजना में सरकारी प्रोत्साहन को देखते हुये मौजूदा वित्त वर्ष में किफायती आवास के क्षेत्र में मजबूती बनी रहेगी।

जुलाई में यात्री वाहनों की बिक्री में सुस्ती

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की बिक्री घटने और मारुति सुजुकी में मामूली वृद्धि के कारण जुलाई में एक साल पहले की तुलना में यात्री वाहनों की बिक्री में सुस्ती रही। यात्री वाहनों में कार, एसयूवी और वैन को शामिल किया जाता है। मारुति सुजुकी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने घरेलू बाजार में जुलाई में 1,37,776 यात्री वाहन बेचे जो जुलाई 2024 के मुकाबले 313 इकाई अधिक है। उसके हल्के वाणिज्यिक वाहन सुपर कैरी की बिक्री 97 इकाई घटकर 2,794 रह गयी। उसकी कुल बिक्री (निर्यात सहित) 1,80,526 इकाई रही। टाटा मोटर्स ने बताया कि यात्री वाहनों की बिक्री जुलाई में 12 प्रतिशत घटकर 39,521 इकाई रह गयी। उसकी वाहनों की कुल बिक्री छह प्रतिशत की गिरावट के साथ 65,953 इकाई पर आ गयी। वहीं, महिंद्रा के यात्री वाहनों की बिक्री 20 फीसदी बढ़कर जुलाई में 49,871 इकाई पर पहुँच गयी। कुल बिक्री में 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी और यह 83,691 इकाई पर रही। किया मोटर्स की बिक्री भी आठ प्रतिशत बढ़कर 22,135 इकाई पर पहुंच गयी। हुंडई मोटर्स की कुल बिक्री 60,073 इकाई रही जिसमें घरेलू बाजार में 43,973 इकाई और विदेशों में 16,100 इकाई बिके।दुपहिया वाहनों में रॉयल इनफील्ड की बिक्री (निर्यात समेत) 31 प्रतिशत बढ़कर 88,045 पर पहुंच गयी। टीवीएस मोटर्स के दुपहिया वाहनों की कुल बिक्री में जुलाई में 29 प्रतिशत का इजाफा हुआ और यह 4,38,790 इकाई हो गयी। घरेलू बिक्री भी 21 फीसदी की बढ़त के साथ 3,08,720 इकाई रही।

विमान ईंधन लगातार दूसरे महीने हुआ महँगा, तीन प्रतिशत बढ़े दाम

नई दिल्ली। देश में विमान ईंधन के दाम तीन महीने घटाने के बाद तेल विपणन कंपनियों ने इसमें लगातार दूसरी बार बढ़ोतरी की है। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल की वेबसाइट पर जारी आँकड़ों के अनुसार, घरेलू विमान सेवा कंपनियों के लिए आज से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में विमान ईंधन (एटीएफ) 2,677.88 रुपये (तीन प्रतिशत) महँगा होकर 92,021.93 रुपये प्रति किलो लीटर का हो गया है। इससे पहले 01 जुलाई को भी कीमतों में 7.5 प्रतिशत का इजाफा किया गया था जबकि अप्रैल, मई और जून में दाम कम किये गये थे। इसके अलावा, कोलकाता में विमान ईंधन 2,459.16 रुपये (2.65 प्रतिशत) महँगा होकर अब 95164.90 रुपये प्रति किलो लीटर पर पहुँच गया है। मुंबई में इसकी कीमत 2,527.91 रुपये (3.02 रुपये) और चेन्नई में 2,986.17 रुपये (3.23 प्रतिशत) बढ़ी है। आज से मुंबई में एक किलो लीटर एटीएफ 86,077.14 रुपये का और चेन्नई में 95,512.26 रुपये का हो गया है। विमान सेवा कंपनियों के कुल व्यय का 35 से 45 प्रतिशत हिस्सा विमान ईंधन के मद में खर्च होता है। इसलिए, विमान ईंधन के दाम बढ़ने का असर हवाई किराये पर भी पड़ सकता है।

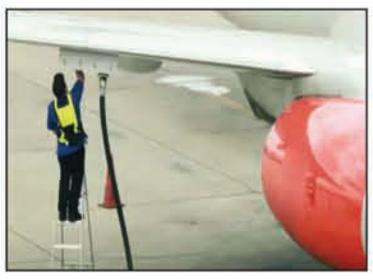

किसानों को मिली 'सम्मान निधि,' कृषि मंत्री बोले- कृषकों की आय बढ़ाने के लिए कई योजनाएं चला रही केंद्र सरकार

एजेंसी

पटना । पीएम मोदी ने वाराणसी से 9.7 करोड़ किसानों के लिए 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना' की 20वीं किस्त जारी की। इसे लेकर पटना स्थित बापू सभागार में 'किसान उत्सव दिवस' का आयोजन किया गया, जहां कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, 'केंद्र सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए अनेकों योजनाएं चला रही है।' कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 10 करोड़ किसानों के खाते में 20,000 करोड़ रुपए से ज्यादा डीबीटी के माध्यम से ट्रांसफर किए। उन्होंने कहा, ऐसी अनेकों योजनाएं हैं, जो किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार चला रही है, और बिहार सरकार योगदान दे रही है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में किसानों के लिए पेंशन का भी प्रावधान है। कृषि मंत्री ने कहा, इसके अलावा,

लगभग 2 लाख करोड़ की फर्टिलाइजर सब्सिडी भी भारत सरकार किसानों को प्रदान कर रही है। केसीसी और अन्य संस्थाओं की ओर से भी किसानों को करीब 25 लाख करोड़ रुपए मिल रहे हैं। कृषि क्षेत्र में यह वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत, जब से यह योजना 2016 में शुरू हुई, अब तक 1,83,000 करोड़ रुपए किसानों के खाते में भेजे गए हैं। पानी के साधनों के विस्तार, सिंचाई योजनाओं और कोशी जैसी परियोजनाओं पर काम हो रहा है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस और राजद के काल में कोई भी सहायता राशि नहीं दी जाती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एनडीए की सरकार हमेशा किसानों के हित में सोचती है। भारत सरकार किसानों के कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ रही है, और बिहार सरकार भी किसानों के कल्याण में लगी हुई है। यह डबल इंजन की सरकार है, जो किसानों के हित में कार्य कर रही है। उन्होंने आगे कहा, जब भी मैं बिहार आता हूं, तो मैं ऊर्जा और उत्साह से भर जाता हूं। बिहार की भूमि अद्भुत है। यहां की बुद्धि और परिश्रम आज विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे रहे हैं और दुनिया को दिशा दे रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, यह वही पवित्र धरती है, जहां भगवान बुद्ध और महावीर ने तपस्या की। यह आचार्य कौटिल्य की बुद्धिमत्ता का उदाहरण है और चंद्रगुप्त मौर्य का शौर्य है। यह वही धरती है, जहां किसानों के साथ हुए अन्याय के खिलाफ बापू ने चंपारण में पहला आंदोलन शुरू किया, जहां महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और गलत शिक्षा के खिलाफ यहां के नौजवानों ने आंदोलन का शंखनाद किया, और लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने इसका नेतृत्व किया। इस पवित्र धारा को मैं बार-बार प्रणाम करता हूं। पटना के बापू सभागार में हुए इस आयोजन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिंहा, मंत्री प्रेम कुमार, मंत्री नितिन नवीन सहित कई नेता और अधिकारी मौजूद रहे।

चावल सस्ता, खाद्य तेलों में घट-बढ़, चीनी-दालों में नरमी

एजेंसी

मुंबई। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के दाम टूट गये जबकि गेहूँ की कीमतों में स्थिरता रही। चीनी सस्ती और गुड़ महँगा हुआ। दालों में भी नरमी रही। वहीं, खाद्य तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल की औसत कीमत 19 रुपये घटकर 3,805.37 रुपये प्रति क्विंटल पर आ गयी। गेहूँ 2,839.49 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा 11 रुपये चढ़कर 3,301.10 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। सरसों तेल औसतन 112 रुपये प्रति क्विंटल महँगा हुआ। मूंगफली तेल करीब 168 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। सोया तेल करीब 14 रुपये चढ़ा जबकि वनस्पति छह रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट में रही। सूरजमुखी तेल 16 रुपये और पाम ऑयल करीब 29 रुपये प्रति क्विंटल महँगा हुआ। दाल-दलहनों में मसूर दाल में औसतन 30 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी रही। चना दाल 30 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। तुअर

दाल 107 रुपये प्रति क्विंटल और दाल मूंग आठ रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट में रही। उड़द दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल से ज्यादा सस्ती हुई।

गुड़-चीनी : बाजार में गुड़ के औसत भाव करीब नौ रुपये प्रति क्विंटल बढ़े। वहीं, चीनी आठ रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

फेडरल बैंक का मुनाफा 14.6 प्रतिशत घटकर 861.75 करोड़ पर

एजेंसी

मुंबई। निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक का एकल शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 14.64 प्रतिशत घटकर 861.75 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में बैंक को 1,009.53 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक ने बताया कि उसकी ब्याज से प्राप्त आय 5.62 फीसदी की वृद्धि के साथ 6,686.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। कुल आय भी 7.64 प्रतिशत बढ़ी और 7,799.61 करोड़ रुपये हो गया।फेडरल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी के.वी.एस. मणियन ने जारी पहली तिमाही के परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा कि इस तिमाही ने हमारे मॉडल के वैविध्य की मजबूती को एक बार फिर रेखांकित किया है। अपेक्षाकृत सुस्त पहली तिमाही में भी वाणिज्यिक बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड और गोल्ड लोन जैसे प्रमुख सेगमेंट में गति बरकरार रही।

परिचालन से प्राप्त लाभ मजबूत रहा। शुल्क से प्राप्त आय रिकॉर्ड स्तर पर रही। जारी परिणामों में बताया गया है कि गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) तथा अन्य मदों में प्रावधान बढ़ा है, जो शुद्ध मुनाफे में गिरावट का मुख्य कारण रहा। इस साल 31 मार्च की तुलना में 30 जून को बैंक का एनपीए बढ़ गया है। उसका सकल एनपीए 1.84 प्रतिशत से बढ़कर 1.91 प्रतिशत पर और शुद्ध एनपीए 0.44 प्रतिशत से बढ़कर 0.48 प्रतिशत पर पहुंच गया। पहली तिमाही में बैंक द्वारा दिये गये ऋण की शुद्ध राशि सालाना आधार पर 9.24 प्रतिशत बढ़ी। कुल जमा में 8.03 प्रतिशत की वृद्धि हुई। चालू खाता और बचत खाते में जमा राशि 12.01 फीसदी बढ़कर 87,236 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। बैंक की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अब वह देश का छठा सबसे बड़ा निजी बैंक बन गया है।

भारत में एप्पल की रिकॉर्ड तिमाही बिक्री, इस साल नये स्टोर खोलने की योजना

एजेंसी

क्युपर्टिनो (अमेरिका)। हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनाने वाली दिग्गज अमेरिकी कंपनी एप्पल ने अप्रैल-जून तिमाही में भारत में रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया और उसकी आईफोन की बिक्री 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी।

कंपनी ने 28 जून को समाप्त तिमाही के वित्तीय परिणाम गुरुवार को जारी किये। तिमाही के दौरान उसका राजस्व सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर 94 अरब डॉलर पर पहुँच गया। प्रति शेयर उसकी कमाई 1.57 डॉलर रही जो एक साल पहले की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि चीन समेत अधिकतर बाजारों में उसकी बिक्री बढ़ी है और भारत, अमेरिका, कनाडा, यूरोप, दक्षिण एशिया समेत 12 से अधिक देशों/क्षेत्रों में उसने इस तिमाही की बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कहा कि आईफोन की बिक्री में भारत और ब्राजील समेत हर भौगोलिक क्षेत्र में वृद्धि प्रतिशत दहाई अंक में रही। मैक की बिक्री से प्राप्त राजस्व 15 प्रतिशत बढ़ा। सर्विस से प्राप्त राजस्व भी 13 प्रतिशत बढ़कर सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुँच

गयी।कुक ने कहा कि कंपनी ने हाल ही में सऊदी अरब में ऑनलाइन एक एप्पल स्टोर खोला है और इस साल संयुक्त अरब अमीरात तथा भारत में नये स्टोर खोलने की योजना है।

मोदी ने डीबीटी की सफलता के लिए जनधन खाताधारकों से की केवाईसी कराने की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकारी सहायता-राशि को सीधे जनता के खाते में भेजने के कार्यक्रमों की सफलता बनाये रखने के लिए लोगों से बैंकों के साथ अपने जनधन खातों का 'केवाईसी' अवश्य कराने की अपील की है।श्री मोदी ने अपने निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के दौरे में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बैंकों द्वारा इस संबंध में चलाए जा रहे विशेष अभियान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ' केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ आप सभी तक निरंतर पहुंचता रहे, इस दिशा में आज मुझे आपके साथ एक अहम जानकारी साझा करनी है।' उन्होंने कहा कि केवाईसी में जनधन खाताधारकों की मदद के लिए पहली जुलाई से विशेष शिविर अभियान चलाया जा रहा और यह अभियान आगे भी चलेगा। प्रधामंत्री ने लोगों से इस मामले में सरकार की मदद करने का आग्रह करते हुए कहा, ' यह अभियान आगे भी चलने वाला है। मैं

हर ऐसे साथी, जिसका जनधन खाता है, उससे आग्रह करूंगा कि वो फिर से अपना केवासी (अपने ग्राहक को जानों की प्रक्रिया) जरूर करा लें।जनधन योजना के तहत देश में 55 करोड़ गरीबों के बैंक खाते खोले गए हैं। उन्होंने कहा, '' जिनको बैंक के दरवाजे देखने का सौभाग्य नहीं मिला था, ऐसे 55 करोड़ लोगों के खाते खुले हैं, मोदी को जब से आपने काम करने का अवसर दिया है ना, मैं यह काम कर रहा था। अब इस योजना को हाल ही में 10 साल पूरे हुए हैं। अब बैंकिंग क्षेत्र का किछ नियम है, नियम ये कहते हैं कि 10 साल बाद बैंक खातों का दोबारा से केवाईसी करना जरूरी होता है। श्री मोदी ने कहा कि इस काम के लिए व्यक्ति को बैंक जाना होता है पर उनके आग्रह पर बैंकों ने केवाईसी के लिए विशेष कैम्प लगाने का अभियान शुरू किया है। उन्होंने इसके लिए रिजर्व बैंक , सभी बैंकों , उनमें काम करने वाले सभी कर्मचारियों का अभिनंदन किया और कहा कि उनका यह काम गर्व पैदा करने वाला है। उन्होंने कहा कि 55 करोड़ लोग अपना केवाईसी फिर आसानी से करा सकें इसके लिए बैंकों के लोग स्वयं हर ग्राम पंचायत तक पहुंच रहे हैं। वहां पर जाकर के मेला लगाते हैं। अब तक ऐसी करीब एक लाख ग्राम पंचायत में बैंक, अपने कैंप, अपना मेला लगा चुके हैं। '

देशभर के व्यापारियों का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 3-4 अगस्त को

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर के व्यापारियों का राष्ट्रीय सम्मेनल राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 3-4 अगस्त को होने जा रहा है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के तत्वाधान में एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में होने वाले दो दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के 150 से ज्यादा व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। चांदनी चौक सांसद और कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने समाचार को बताया कि केंद्र सरकार की व्यापारियों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के लिए चलाई जा रही योजनाओं को कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के जरिए देशभर में जमीनी स्तर पहुंचाने पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आज स्वदेशी सामान ही बेचने की अपील पर बड़ा निर्णय सम्मेलन में होगा। कैट महामंत्री ने बताया कि इस सम्मेलन में देश के 26 राज्यों के 150 से अधिक व्यापारी नेता और व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में भाग लेंगे। इस दौरन डिजिटल इंडिया एवं व्यापारियों के हितों से जुड़ी हुई योजनाओं पर भी मंथन होगा, जिसका उद्देश्य है नीति निर्माण में व्यापारियों की सीधी भागीदारी। खंडेलवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम रविवार, 3 अगस्त को दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक एनडीएमसी कॉन्फ्रेंस हॉल, संसद मार्ग, नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगी देश की पहली परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी एरसिल

एजेंसी

मुंबई। देश की पहली परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी) एरसिल ने शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के लिए अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि उसने आईपीओ के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेज जमा कराये हैं। वह शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने वाली देश की पहली एआरसी होगी। आईपीओ के तहत 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 10,54,63,892 इक्विटी शेयर बिक्री के लिए रखे जायेंगे। इनमें 6,87,39,034 इक्विटी शेयर एवेन्यू इंडिया रिसर्जेंस द्वारा और 1,94,45,000 शेयर स्टेट बैंक

ऑफ इंडिया द्वारा बेचे जा रहे हैं। लाठे इनवेस्टमेंट 1,62,44,858 इक्विटी शेयर और फेडरल बैंक ऑफ इंडिया 10,35,000 इक्विटी शेयर बेच रहा है। आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज, आईडीबीआई कैपिटल मार्केट्स एंड सिक्योरिटीज और जेएम फाइनेंशियल को आईपीओ के लिए बैंकर नियुक्त किया गया है। एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड (एसिल) की स्थापना 2002 में हुई थी। यह देश की पहली एआरसी कंपनी है। देश के 12 राज्यों में कई क्षेत्रों में परिसंपत्ति पुनर्गठन का उसका कारोबार फैला हुआ है। उसका नेटवर्थ 2,462.511 करोड़ रुपये है।कंपनी ने अब तक 652 ट्रस्ट बनाये हैं, जिनमें 199 को सफलतापूर्वक वित्तीय परिसंपत्ति समाधान के बाद बंद कर दिया गया है। इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में एरसिल का परिचालन राजस्व 596.423 करोड़ रुपये और कुल आय 623.399 करोड़ रुपये रही। तिमाही के दौरान उसका शुद्ध लाभ 355.319 करोड़ रुपये रहा।

इफको के चेयरमैन श्री दिलीप संघाणी ने श्री के. जे. पटेल को इफको के 9वें प्रबंध निदेशक के रूप में घोषित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। इफको के चेयरमैन श्री दिलीप संघाणी ने श्री के. जे. पटेल को इफको के नए 9वें प्रबंध निदेशक के रूप में घोषित किया। श्री पटेल इफको में तकनीकी निदेशक के पद पर कार्यरत थे और वे उर्वरक उद्योग में व्यापक अनुभव लेकर आते हैं। श्री के. जे. पटेल सौराष्ट्र विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियर हैं और उन्हें नाइट्रोजनयुक्त एवं फॉस्फेटिक उर्वरक संयंत्रों के रखरखाव में 32 वर्षों का समृद्ध अनुभव है। वे परिचालन उत्कृष्टता और सतत विकास को बढ़ावा देने के अपने मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड के लिए जाने जाते हैं। वे इफको के पारादीप संयंत्र के प्रमुख थे, जो भारत का सबसे बड़ा जटिल उर्वरक संयंत्र है। श्री संघाणी ने श्री के. जे. पटेल को नए प्रबंध निदेशक के रूप में स्वागत किया और कहा कि श्री पटेल गहन

उद्योग ज्ञान और सिद्ध रणनीतिक सोच का दृष्टिकोण लेकर आते हैं जो इफको के लक्ष्यों से पूरी तरह मेल खाता है। आगे उन्होंने कहा कि बोर्ड को पूर्ण विश्वास है कि श्री के. जे. पटेल इफको को नवाचार और मूल्य सृजन के एक नए युग में ले जाएंगे तथा इफको अपनी मजबूत नींव पर निर्माण करता रहेगा और किसानों एवं सहकारी बंधुओं के कल्याण की दिशा में कार्य करना जारी रखेगा। श्री दिलीप संघाणी ने निवर्तमान एमडी डॉ. यू. एस. अवस्थी को इफको एवं देशभर के किसानों के प्रति उनके अमूल्य योगदान एवं समर्पण के लिए धन्यवाद भी दिया। इफको को विश्व सहकारी मॉनिटर रिपोर्ट के अनुसार विश्व का नंबर 1 सहकारी (जीडीपी में योगदान के अनुपात के संदर्भ में) स्थान प्राप्त है, जो यूरसीज़ और अंतरराष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (इंटरनेशनल कोआपरैटिव अलाइअन्स), प्रमुख अंतरराष्ट्रीय सहकारी संस्था द्वारा प्रकाशित है।

ईडी ने केरल के एक धर्मार्थ संगठन पर एफसीआरए उल्लंघन का मामला दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के कासरगोड स्थित एक चैरिटेबल ट्रस्ट पर विदेशी मुद्रा अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन का मामला दर्ज किया है। इस ट्रस्ट पर एफसीआरए का उल्लंघन कर विदेश से 220 करोड़ रुपये प्राप्त करने का आरोप है।ईडी के मुताबिक इस ट्रस्ट को अनिवासी भारतीय इब्राहिम अहमद अली से 2021 के बाद से 220 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त हुए, जो असुरक्षित ऋण के रूप में खातों की पुस्तकों में परिलक्षित हुआ था। कासारगोड स्थित कुन्हाहमद मुसलियार मेमोरियल ट्रस्ट और उसके अध्यक्ष इब्राहिम अहमद अली के खिलाफ जांच के तहत यह कार्रवाई की गयी है। ईडी ने इस मामले में गुरुवार को कासारगोड में दो स्थानों पर छापेमारी की थी।

गोयल ने कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य क्षेत्रों के दिग्गजों से किया विचार-विमर्श

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका द्वारा भारत पर 25 फीसदी आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने की घोषणा के बीच मुंबई में भारत के कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और समुद्री खाद्य क्षेत्रों के दिग्गजों के साथ मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने इन उद्योगपतियों के साथ विचार-विमर्श किया केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि भारत के कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और समुद्री खाद्य क्षेत्रों के दिग्गजों के साथ एक आकर्षक और दूरदर्शी बातचीत हुई है, यह हमारे खाद्य और पोषण सुरक्षा के सच्चे निर्माता हैं। उन्होंने कहा कि इस बातचीत में हमने खाने के लिए तैयार कृषि उत्पादों से लेकर प्रसंस्कृत समुद्री खाद्य उत्पादों तक मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़े।

पीयूष गोयल ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात ये रही कि हमने बातचीत के दौरान वैश्विक बाजारों तक पहुंच में सुधार, रसद को मजबूत करने और उनके प्रयासों का उचित मूल्य सुनिश्चित करके किसानों और मछुआरों को सशक्त बनाने के अपने सामूहिक संकल्प की पुष्टि की। इससे पहले वाणिज्य मंत्री ने इंजीनियरिंग सामान क्षेत्र के उन अग्रणी लोगों के साथ बातचीत की, जो हमारे देश में सटीकता, प्रदर्शन और प्रगति के क्षेत्र में अग्रणी रूप से जुड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम सब मिलकर एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं, जो आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करे और दुनिया के लिए मेक इन इंडिया को बढ़ावा दे। गोयल ने कहा कि सरकार भारत को एक वैश्विक इंजीनियरिंग केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाने के लिए

प्रतिबद्ध है। इसके अलावा केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने मुंबई में प्रमुख इस्पात उत्पादकों के साथ एक सार्थक संवाद आयोजित किया। उन्होंने बताया कि इस बैठक में उन्नत तकनीक अपनाने, रसद लागत कम करने, लौह अयस्क उत्पादन बढ़ाने और हमारे एमएसएमई को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाकर वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भूमिका का विस्तार करने जैसे विचारों पर ध्यान केंद्रित किया गया। पीयूष गोयल ने कहा कि एक लचीले और भविष्य के लिए तैयार इस्पात उद्योग के निर्माण हेतु एक सहयोगात्मक रोडमैप की आशा है। पीयूष गोयल 2 से 4 अगस्त तक मुंबई में इंजीनियरिंग और रसायन सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख निर्यातकों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान वे अमेरिका द्वारा घोषित 25 फीसदी टैरिफ के प्रभावों पर चर्चा भी करेंगे। वाणिज्य मंत्री के साथ होने वाली इन बैठकों में मत्स्य पालन, आईटी, फार्मा और इंजीनियरिंग क्षेत्र के निर्यातक भाग लेंगे। इसके आलवा वाणिज?य मंत्री चमड़ा क्षेत्र के निर्यातकों के साथ एक अलग से बैठक 4 अगस्त को नई दिल्ली में करेंगे। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने भारतीय पर 25 फीसदी का आयात शुल्क लगा दिया है, जो 7 अगस्त से प्रभावी होगा। इससे अमेरिकी बाजार में देश के 86 अरब डॉलर के निर्यात का लगभग आधा हिस्सा प्रभावित हो सकता है। वहीं, शेष आधा हिस्सा, जिसमें दवाइयां, इलेक्ट्रॉनिक्स और पेट्रोलियम उत्पाद शामिल हैं, अभी भी इसके प्रभाव से मुक्त हैं। हालांकि, भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के छठे दौर की वार्ता 25 अगस्त को भारत में होने वाली है।

दीपिका पादुकोण

की पहली को-एक्ट्रेस ने 8 घंटे की शिफ्ट पर दिया बयान, कहा- रिस्पेक्ट मिलनी चाहिए...

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट के लिए दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की शिफ्ट की मांग ने इंटरनेट पर खूब हंगामा मचाया. कुछ लोगों ने उनके फैसले को सपोर्ट किया, तो कुछ ने अलग-अलग राय दी. अब दीपिका से जुड़े इस मामले पर उनकी पहली को-एक्ट्रेस युविका चौधरी ने भी अपनी राय पेश की. युविका ने हाल ही में मदरहुड में एंट्री की है और जब उन्होंने वर्क-लाइफ के संतुलन पर बात की, तो उनसे दीपिका की मांग पर उनकी राय पूछी गई.

पिंकविला के हिंदी रश के साथ एक इंटरव्यू के दौरान युविका चौधरी ने दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग के बारे में अपने विचार शेयर किए. युविका चौधरी ने शेयर किया, एक तो मां बनना आसान नहीं है और मां बनने के बाद काम करना तो बिल्कुल भी आसान नहीं है. वो उनकी जरूरी डिमांड होगी. उनको काम से प्यार है इसलिए तो वो काम कर रहे हैं, काम पे आ रहे हैं वापस.

युविका ने किया दीपिका का सपोर्ट

ओम शांति ओम में दीपिका की को-स्टार रहीं युविका ने कहा, जो आप इंडस्ट्री में इतने सालों से काम कर रहे हैं, उतना सम्मान तो मिलना जरूरी है.

युविका ने बताया कि कैसे किसी को भी नई मां के प्रति निर्दयी नहीं होना चाहिए और कहा, तो मुझे लगता है कि वह सही हैं. उन्हें वह समय मिलना चाहिए क्योंकि इतना भी आपको निर्दयी नहीं होना चाहिए. यह जर्नी बड़ी ही अलग होती है, और हर किसी को सपोर्ट करना चाहिए.

उन्होंने आगे कहा, अगर आप डिमांड करते हैं, आपने इंडस्ट्री में इतना वक्त दिया है तो जाहिर तौर पर आप डिमांड कर सकते हैं कि मैं इतना ही टाइम काम करूंगी. और मुझे यकीन है कि यह हमेशा के लिए नहीं है. यह देने और लेने वाली बात है. जब आपने एक निश्चित मात्रा में काम किया है, तो मुझे लगता है कि आपको वह सम्मान मिलना चाहिए.

युविका ने ज़ोर देकर कहा कि जब कोई कलाकार इंडस्ट्री में आता है, तो वह अपना सब कुछ झोंक देता है और शूटिंग पूरी होने के बाद ही वहां से जा सकता है. उन्होंने कहा कि नए कलाकार बहुत मेहनत करते हैं.

बेटी को हर जगह साथ ले जाती हैं युविका

नई मां होने के नाते, युविका से पूछा गया कि क्या उनके काम के घंटे तय करने के लिए कोई खास नियम हैं. उन्होंने बताया कि वह अपना काम बखूबी संभाल रही हैं और जहां भी काम पर जाती हैं, अपनी बेटी एकलीन को साथ ले जाती हैं. युविका ने बताया कि जब तक एकलीन स्कूल नहीं जाती, तब तक वह अपनी बेटी को हर जगह अपने साथ ले जाने की प्लानिंग बना रही हैं.

जब रणबीर कपूर की मां से लड़ने पहुंच गए थे संजय दत्त, इस गलतफहमी का हो गए थे शिकार

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता संजय दत्त शुरुआत से ही फैन्स के चहेते रहे हैं. संजू बाबा के प्रति हमेशा से बॉलीवुड सेलेब्स की हमदर्दी रही है. आज भी इंडस्ट्री के कई दिग्गज कलाकारों के साथ उनके बहुत अच्छे रिश्ते हैं. उन्हीं में एक सुपरस्टार रणबीर कपूर भी शामिल है. रणबीर को संजू अपना छोटा भाई मानते हैं. रणबीर, संजय दत्त की बायोपिक संजू में उनकी भूमिका भी निभा चुके हैं. जिसने दुनियाभर में बड़ी सफलता हासिल की थी.

संजू फिल्म के दौरान तो संजय दत्त और रणबीर कपूर का रिश्ता और गहरा हो गया था. दोनों को तब एक दूसरे के साथ काफी वक्त बिताने का मौका मिला था. लेकिन, एक बार संजू गुस्से में रणबीर की मां और एक्ट्रेस नीतू कपूर से लड़ाई करने के लिए उनके घर पहुंच गए थे. ये उन दिनों की बात है जब नीतू, ऋषि कूर की गर्लफ्रेंड हुआ करती थीं और संजू का बॉलीवुड में शुरुआती दौर ही था. संजू बाबा तब एक गलतफहमी का शिकार हो गए थे.

संजू की गर्लफ्रेंड संग उड़े ऋषि के अफेयर के चर्चे

रणबीर कपूर के पिता ऋषि कपूर ने साल 1980 में आई फिल्म 'कर्ज' में एक्ट्रेस टीना मुनीम के साथ काम किया था. तब ऋषि, नीतू को डेट कर रहे थे और संजय का अफेयर टीना मुनीम से था. ऋषि ने अपनी बायोग्राफी 'खुल्लम खुल्ला' में भी इसका जिक्र किया है.

उन्होंने बताया कि जब टीना और वो साथ में काम कर रहे थे तो उनकी केमिस्ट्री काफी अच्छी थी और लोगों ने दोनों के सीक्रेट अफेयर की अफवाह उड़ानी शुरू कर दी. बाद में जब संजय अपनी डेब्यू फिल्म 'रॉकी' (1981) की शूटिंग कर रहे थे तब वो इन अफवाहों से काफी परेशान हो गए थे.

नीतू कपूर से लड़ने उनके घर पहुंचे संजय

टीना और ऋषि के अफेयर की अफवाह से संजय इस कदर आहत हुए कि वो गुस्से में नीतू कपूर के घर पहुंच गए थे. ऋषि ने अपनी बायोग्राफी में बताया कि तब संजय दत्त एक्टर गुलशन ग्रोवर के साथ नीतू के पाली स्थित अपार्टमेंट में झगड़ने पहुंच गए थे. हालांकि नीतू ने बहुत अच्छे से मामला हैंडल किया था. एक्ट्रेस ने संजू को शांति से समझाया और कहा कि टीना और ऋषि के बीच कुछ भी नहीं है. उन्होंने दोनों को एक दूसरे का अच्छा दोस्त बताते हुए कहा कि इस इंडस्ट्री में तुम्हें अपनों पर भरोसा करना सीखना चाहिए. तब जाकर संजय दत्त का गुस्सा शांत हुआ.

इधर रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने जीता नेशनल अवॉर्ड, उधर आलिया भट्ट ने शेयर किया BTS वीडियो

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में मिली बड़ी जीत से बेहद खुश हैं. करण जौहर के डायरेक्शन बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह भी लीड रोल में हैं. इस फिल्म को बेस्ट पॉपुलर फिल्म का संपूर्ण मनोरंजन पुरस्कार मिला, और वैभवी मर्चेंट द्वारा कोरियोग्राफ किए गए फिल्म के गाने ढिंढोरा बाजे रे के लिए बेस्ट कोरियोग्राफी का पुरस्कार भी मिला.बीती रात जहां रणवीर ने फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर रिएक्शन दिया था. वहीं, अब आलिया भट्ट ने इस अचीवमेंट का जश्न मनाते हुए एक पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने वैभवी मर्चेंट के टैलेंट की तारीफ की और एक अनदेखा ब्लूपर्स वीडियो बी शेयर किया, जिसमें आलिया कोरियोग्राफर के साथ ढिंढोरा बाजे रे के लिए प्रैक्टिस करती हुई दिखाई दे रही हैं. उन्होंने फिल्म की टीम के हर सदस्य की भी तारीफ की.

आलिया ने शेयर किया अनदेखा वीडियो

शेयर किए गए ब्लूपर्स-वीडियो में आलिया भट्ट कोरियोग्राफर के साथ डांस करती हुई नजर आ रही हैं. वैभवी के डायरेक्शन और मार्गदर्शन के बीच आलिया डांस स्टेप्स करती नजर आ रही हैं. वीडियो के अंत में, वैभवी मर्चेंट आलिया की परफॉर्मेंस की तारीफ करती हैं और उन्हें अपने आशीर्वाद के रूप में पैसे भी देती हैं. आलिया भी पैसे मिलते ही खुशी से उछलने लगती हैं. एक्ट्रेस ने अपने कैप्शन में लिखा, इन यादों को फिर से जी रही हूं और आज मेरा दिल भर आया है. 'ढिंढोरा बाजे रे' आपकी प्रतिभा है वैभवी मर्चेंट.

आलिया भट्ट ने की वैभवी की तारीफ

उन्होंने आगे लिखा, #RRKPK के शानदार सफ़र के लिए हमेशा आभारी रहूंगी, और इस शानदार टीम के हर एक सदस्य के लिए, यह जीत आपकी है. इस शानदार और सुखद सफ़र के लिए ढेर सारा प्यार. ऋतिक रोशन ने आलिया की पोस्ट पर कमेंट किया और लिखा, अद्भुत. पूरी तरह से हक़दार !गुनीत मोंगा, सोफी चौधरी ने लाल दिल वाले इमोजी शेयर किए.

शाहरुख खान

की इस हीरोइन ने की है Bigg Boss विनर से शादी, जानें आजकल कहां हैं और क्या कर रहीं?

बॉलीवुड में काम करने के इरादे से आने वाली हर एक्ट्रेस शाहरुख खान के साथ काम करना चाहती हैं. वहीं एक ऐसी एक्ट्रेस थीं जिनकी शुरुआती फिल्म में ही उन्होंने उनके साथ स्क्रीन शेयर कर लिया और उस एक्ट्रेस का नाम युविका चौधरी है. युविका चौधरी आज टीवी का जाना-माना चेहरा हैं लेकिन इससे पहले वो शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम (2007) और हिमेश रेशमिया के एक गाने 'वादा तेनू' में नजर आ चुकी हैं.2 अगस्त 1983 को यूपी के बड़ौत शहर में जन्मीं युविका चौधरी आज एक हैप्पी मैरिड लाइफ जी रही हैं. इंस्टाग्राम पर उन्हें फॉलो करने वाले जानते हैं कि आज वो दो बच्चों की मां हैं और बहुत खुश हैं. युविका चौधरी फिल्म इंडस्ट्री में कैसे आईं, बिग बॉस 9 के विनर से उनकी शादी कैसे हुई और आजकल वो क्या काम कर रही हैं, बर्थडे के मौके पर आइए आपको उनसे जुड़ीं खास बातें बताते हैं.

युविका चौधरी का एक्टिंग करियर कैसे शुरू हुआ ?

2004 में जी टीवी टैलेंट हंट रियलिटी शो 'जी सिने स्टार्स की खोज' टेलीकास्ट हुआ था. उसी में युविका बतौर कंटेस्टेंट नजर आई थीं. इस शो के बाद युविका को पहला टीवी सीरियल 'अस्तित्वज्एक प्रेम कहानी' मिला था. 2006 में युविका हिमेश रेशमिया के म्यूजिक वीडियो 'आप का सुरूर' के एक गाने 'वादा तैनू' में नजर आईं और ये एक सुपरहिट ट्रैक था. इसके बाद युविका ने कुछ बड़े ब्रांड के विज्ञापनों में काम किया जिसमें से एक कोका-कोला भी है.

फराह खान ने युविका के काम को नोटिस किया और उन्हें फिल्म 'ओम शांति ओम' में साइन कर लिया. युविका की डेब्यू फिल्म ही शाहरुख खान के साथ थी, जिसमें उनका एक अहम किरदार था. इसके बाद युविका ने 'एसपी चौहान', 'नौटी एट 40', 'तो बात पक्की', 'समर', 'वीरे दी वेडिंग', 'द कॉप' जैसी फिल्मों में काम किया. 2015 में युविका ने बिग बॉस 9 में पार्टिसिपेट किया था और यहीं उनकी दोस्ती प्रिंस नरूला से हुई थी. युविका ने 'कुमकुम भाग्य' और 'लाल इश्क' जैसे टीवी शोज किए हैं.

आजकल क्या कर रही हैं एक्ट्रेस युविका चौधरी ?

युविका चौधरी ने 10 सालों तक एक्टर विपुल रॉय को डेट किया था लेकिन बिग बॉस 9 में जाने से पहले उनका ब्रेकअप हो गया था. यहां उनकी दोस्ती प्रिंस से हुई और इनकी दोस्ती प्यार में बदल गई थी.

डॉ. बिंदल ने परमार जयंती पर अर्पित किए श्रद्धा सुमन, नाहन में कार्यक्रम आयोजित

दिव्य दिल्ली : सिरमौर

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने सोमवार को हिमाचल निमार्ता डॉ. यशवंत सिंह परमार की 119वीं जयंती पर सिरमौर जिला मुख्यालय नाहन में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूरा हिमाचल आज डॉ. परमार को याद कर श्रद्धांजलि दे रहा है। हिमाचल के विकास में डॉ. परमार का योगदान अविस्मरणीय है और उनके विचार व कार्य आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। डॉ. बिंदल ने कहा कि डॉ. परमार ने पहाड़ी राज्य हिमाचल में सड़क नेटवर्क को प्रदेश की भाग्य रेखा माना और हर कोने तक सड़क पहुंचाने का संकल्प

लिया। उन्होंने बताया कि आज हिमाचल में कुल लगभग 40 हजार किलोमीटर सड़कों में से 20 हजार किलोमीटर सड़कें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बनी हैं। यह भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिन्होंने इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरूआत की थी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 11 वर्षों में सड़क और परिवहन नेटवर्क को और अधिक सुदृढ़ किया है। साथ ही डॉ. बिंदल ने यह भी उल्लेख किया कि डॉ. परमार ने पहाड़ी भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण प्रयास किए, जिससे हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत को मजबूती मिली।

पनाल्थ पंचायत के पोंग डैम एरिया में मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश, पुलिस जांच में जुटी

दिव्य दिल्ली : ज्वाली (ऊषा जरीयाल)

उपमंडल जवाली की ग्राम पंचायत पनाल्थ के समीप पोंग डैम एरिया के घाड़ में रविवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव तैरता हुआ देखा गया, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। ग्रामवासियों ने जब सुबह करीब 8 बजे यह दृश्य देखा तो वे घबरा गए और तुरंत इस बारे में पंचायत प्रधान रमेश सिंह को सूचित किया।पंचायत प्रधान रमेश सिंह ने बिना देरी किए पुलिस थाना जवाली को इस घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी प्रीतम सिंह जरियाल अपनी पुलिस टीम सहित मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी।

न्यूज फ्लैश

नूरपुर एनएच की बदहाली बनी राहगीरों की मुसीबत, कंपनियों के विवाद से थमा निर्माण कार्य

दिव्य दिल्ली : नूरपुर (विनय महाजन)

भारी बारिश के बाद नूरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग की हालत खड्ड मार्ग जैसी हो गई है। कंडवाल से जसूर और आगे भाली तक लगभग 40 किलोमीटर लंबा यह मार्ग यात्रियों को बेहद परेशान कर रहा है। सड़क की जर्जर स्थिति और जगह-जगह गहरे गड्ढों ने इसे जोखिमभरा बना दिया है। हैरानी की बात यह है कि इस समय न तो कोई निर्माण कंपनी और न ही संबंधित विभाग मरम्मत कार्य में जुटा है। सूत्रों के अनुसार, बीते दो सप्ताह से स्थानीय निर्माण कंपनी और मुख्य कंपनी के बीच आर्थिक मतभेद के चलते न केवल निर्माण कार्य रुका हुआ है, बल्कि रिपेयर वर्क भी पूरी तरह ठप पड़ा है। करोड़ों रुपये के इस प्रोजेक्ट में कंपनियों की आपसी लड़ाई का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। वहीं, चौगान क्षेत्र में आईटीआई के पास बन रही सड़क से मलवा युक्त बारिश का पानी बहकर राजमार्ग पर आ रहा है, जिससे स्थानीय व्यापारियों और वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय मानव अधिकार संघ के सह निदेशक राजेश पठानिया ने बताया कि एनएचएआई ने जिस कंपनी को इस प्रोजेक्ट का जिम्मा सौंपा, उसने 37 किलोमीटर सड़क बनाने में छह साल लगा दिए, जिससे प्रदेश के छह जिलों के उपमंडल प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने सांसद और विधायक से इस मामले पर संज्ञान लेने और सदनों में इसे उठाने की मांग की है। सांसद के क्षेत्र में स्थित जसूर का बाजार और कार्यालय जाने वाली सड़क भी बेहद खस्ताहाल है, जहां सैकड़ों खतरनाक गड्ढे हैं। इस मामले में एनएचएआई के रेजिडेंट इंजीनियर वीरेंद्र प्रसाद का कहना है कि सड़क की मरम्मत के प्रयास जारी हैं, लेकिन लगातार हो रही वर्षा के कारण कार्य में बाधा आ रही है।

सुजानपुर की पांच पंचायतों के ब्लॉक बदलाव पर ग्रामीणों का विरोध, डीसी कार्यालय के बाहर धरना

दिव्य दिल्ली : हमीरपुर

हमीरपुर जिला की सुजानपुर विधानसभा क्षेत्र की पांच ग्राम पंचायतों को विकास खंड सुजानपुर में शामिल करने के सरकार के फैसले के खिलाफ पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। ग्राम पंचायत कुठेड़ा, टिब्बी, देई का नौण, मझोग सुल्तानी और ख्याह के लोगों ने सोमवार को उपायुक्त कार्यालय हमीरपुर के बाहर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।प्रदर्शनकारियों ने डीसी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते हुए मांग की कि इन पंचायतों को दोबारा विकास खंड हमीरपुर में ही शामिल किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि सुजानपुर ब्लॉक में शामिल किए जाने से उन्हें सरकारी कार्यों के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है, जबकि उनके अधिकतर प्रशासनिक कार्यालय, उपमंडल और तहसील पहले से ही हमीरपुर में हैं। पूर्व प्रधान रंजन शर्मा ने कहा कि ग्रामीण पहले भी इस मामले में डीसी को ज्ञापन सौंप चुके हैं, लेकिन समाधान नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द निर्णय वापस नहीं लिया गया, तो ग्रामीण चक्का जाम करने को मजबूर होंगे। बुद्धि सिंह और अमन जसवाल ने भी सरकार पर मनमानी का आरोप लगाया और कहा कि पूर्व सरकार द्वारा लोक निर्माण विभाग का मंडल कार्यालय भी हमीरपुर से हटाकर टौणी देवी ले जाया गया, जिससे ग्रामीण पहले ही परेशान हैं। स्वयं सहायता समूह की प्रतिनिधि शालु ने बताया कि सभी पंचायतों का उपमंडल, तहसील व अन्य सभी कार्यालय हमीरपुर में ही स्थित हैं, ऐसे में सुजानपुर ब्लॉक भेजना अव्यवहारिक निर्णय है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन किया जाएगा।

हमीरपुर भाजपा की नई कार्यकारिणी घोषित

दिव्य दिल्ली : हमीरपुर

हमीरपुर जिले में भाजपा के पर्यवेक्षक एवं विधायक विपिन परमार ने भाजपा की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। बाईपास स्थित एक निजी होटल में आयोजित बैठक के उपरांत पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि इस नई कार्यकारिणी में 66 कार्यसमिति सदस्यों को शामिल किया गया है और कार्यकारिणी का व्यापक रूप से विस्तार किया गया है। इस अवसर पर विधायक आशीष शर्मा, भाजपा अध्यक्ष राकेश ठाकुर, पूर्व विधायक राजेंद्र राणा, कमलेश कुमारी और भाजपा उपाध्यक्ष राजकुमारी भी मौजूद रहे। विपिन परमार ने कहा कि भाजपा की विशिष्ट कार्यपद्धति ही इसका सबसे बड़ा बल है, जिसके चलते आज देश के 72% से अधिक क्षेत्रफल पर भाजपा का परचम लहरा रहा है और 21 राज्यों में भाजपा की सरकारें कार्यरत हैं।

खस्ताहाल सड़क को लेकर नूरपुर नगर परिषद पर फूटा लोगों का गुस्सा

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर शहर के चौगान में वार्ड नंबर 3 को जाने वाली मुख्य सड़क की खस्ता हालत को लेकर स्थानीय लोगों में नगर परिषद के प्रति भारी रोष है। लगभग 15 दिनों से जर्जर हालत में पड़ी इस सड़क की मरम्मत न होने से लोगों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। स्थानीय निवासी और अस्पताल सेवा समिति के पदाधिकारी परवीन महाजन सहित व्यापारियों और दुकानदारों ने बताया कि नगर परिषद को शिकायत देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। 24 जुलाई को नगर परिषद के एसडीओ द्वारा सड़क का निरीक्षण किया गया था, लेकिन एनएचएआई सीमा से सटी होने का हवाला देकर मामला उच्च अधिकारियों को भेजने की बात कही गई।लोगों ने सवाल उठाया कि जब एनएचएआई सीमा में बसे घरों और दुकानों से नगर परिषद सफाई व आवास शुल्क वसूलती है, तो सड़क की मरम्मत की जिम्मेदारी भी उसी की बनती है। वार्ड नंबर 3 की यह मुख्य सड़क करीब 500 लोगों की आवाजाही का प्रमुख मार्ग है, जहां बिजली बोर्ड का उपमंडलीय कार्यालय भी स्थित है। दलदली और टूटी सड़क के कारण बुजुर्गों और आम नागरिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी हुई है।इस मामले में व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने नगर प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाया और एसडीएम नूरपुर से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। नगर परिषद के एसडीओ राजेश चौधरी ने बताया कि उन्होंने निरीक्षण के बाद रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेज दी है और आश्वासन दिया कि एक-दो दिन में समाधान निकाला जाएगा। नूरपुर के एसडीएम अरुण शर्मा ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर परिषद को दिशा-निर्देश जारी करने की बात कही है।

तृप्ता पब्लिक स्कूल के छात्रों ने स्केटिंग चैंपियनशिप में मारी बाजी

दिव्य दिल्ली : भरमाड़ (राजेश कतनौरिया)

तृप्ता पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चलवाड़ा के छात्रों ने आल इंडिया ओपन स्केटिंग स्पीड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। यह चैंपियनशिप 2 अगस्त 2025 को के.एल.एम. इंटरनेशनल स्कूल, पठानकोट में रोलर हॉक्स इंडिया द्वारा आयोजित की गई, जिसमें पंजाब, हिमाचल और हरियाणा के विभिन्न स्कूलों से करीब 250 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के 22 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें समर्थ, अरनब, ईशान, सुजल, अभिनव, अक्षित, आर्यन राणा और मनन ने स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल को गौरवान्वित किया। वहीं, अद्विक, दीक्षित, ओजस, आदिश, अंश, कौंडल, अंश (द्वितीय), शिवांश ने रजत पदक अर्जित किए। इसके अलावा, सर्वज्ञ, आयुष सान्याल, आर्य धीमान, आयन, कर्णवीर, काव्य गुलेरिया और आरव मेहरा ने कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर विद्यालय के चेयरमैन वरिंद्र नरियाल और प्रधानाचार्य राकेश राणा ने छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने और शारीरिक-मानसिक विकास का अवसर प्रदान करती हैं। अंत में उन्होंने सभी विजेता छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भारी बारिश से तृप्ता देवी का मकान जमींदोज, प्रशासन से मदद की गुहार

दिव्य दिल्ली : भरमाड़ (राजेश कतनौरिया)

ज्वाली विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत चलवाड़ा-1 के वार्ड नंबर 3 में भारी बारिश के कारण एक गरीब महिला तृप्ता देवी पत्नी स्वर्गीय जसवंत सिंह का मकान पूरी तरह से ढह गया। जानकारी के अनुसार तृप्ता देवी अपनी बीमार बेटी से मिलने के लिए करीब एक महीने पहले दिल्ली गई थीं। 22 जुलाई को पड़ोसियों ने उन्हें फोन पर सूचना दी कि बारिश के चलते उनका मकान गिर गया है। तृप्ता देवी ने इस बाबत पंचायत प्रधान को सूचित भी कर दिया था। अत्यंत निर्धन और अकेली होने के कारण वे तुरंत गांव नहीं लौट सकीं, लेकिन एक सप्ताह पहले उनके रिश्तेदार उन्हें गांव छोड़ गए। जब उन्होंने अपना घर देखा तो पाया कि मकान पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो चुका था और अंदर रखा सारा सामान भी नष्ट हो गया था। तृप्ता देवी के अनुसार उनके पति का निधन कई वर्ष पूर्व हो चुका है। उनका बेटा एक होटल में बर्तन धोकर परिवार का पालन-पोषण करता है, जबकि बेटी की शादी हो चुकी है। अब मकान ढह जाने के कारण तृप्ता देवी बेघर हो गई हैं और गांव के लोगों के सहारे किसी और के घर में रह रही हैं। ग्रामवासी उन्हें खाने-पीने की सामग्री भी उपलब्ध करा रहे हैं। तृप्ता देवी ने प्रशासन से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नया मकान बनवाने की मांग की है। समाजसेवी व गुरु रविदास सभा ज्वाली उपमंडल के उपप्रधान उजागर सिंह ने एसडीएम ज्वाली और जिलाधीश कांगड़ा से तृप्ता देवी को तिरपाल और खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने की अपील की है। इस संबंध में पंचायत प्रधान सृष्टा देवी ने बताया कि वह स्वयं घटनास्थल पर गई थीं और पाया कि मकान पूरी तरह ढह चुका है। उन्होंने आगे बताया कि इस मामले की रिपोर्ट पटवारी व पंचायत सचिव द्वारा तैयार कर बीडीओ कार्यालय को भेज दी गई है।

मायावती ने शिबू सोरेन के निधन पर जताया शोक

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने सोमवार को एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के संस्थापक व आदिवासी समाज के जाने-माने दिग्गज नेता शिबू सोरेन का आज निधन हो जाने की खबर अति-दुखद है।

इंदौरा से भेजी गई दूसरी राहत सामग्री की खेप, जीवन-यापन के सामान शामिल

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर प्रदेश में हुई प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों के लिए इंदौरा विधानसभा क्षेत्र से आज दूसरी बार राहत सामग्री की खेप रवाना की गई। इस बार जीवन-यापन से जुड़ी आवश्यक सामग्री को वाहन में भरकर भेजा गया, जिसका नेतृत्व स्थानीय विधायक मलेंद्र राजन ने किया' विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेशवासियों से आपदा प्रभावित क्षेत्रों के लिए सहयोग की अपील की थी, जिस पर इंदौरावासियों ने तत्परता से प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि उनकी एक छोटी सी अपील पर क्षेत्रवासियों ने दिल खोलकर सहयोग किया और बड़ी मात्रा में सामग्री एकत्रित की गई' उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आपदा प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए लगातार कार्य कर रही है और इंदौरा क्षेत्र भी हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।इस अवसर पर एसडीएम डॉ सुरिंद्र ठाकुर, बीडीओ सुदर्शन सिंह,पूर्व जिला अध्यक्ष कर्ण सिंह पठानिया, इंदौरा प्रधान भूपाल कटोच, पूर्व उपप्रधान मनोहर सिंह, कांग्रेस कार्यकर्ता नरेंद्र शर्मा, अनिल कटोच, उमा कांत सूदन, धर्मेंद्र निक्का सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 308 द्वारा शिमला सुधार गृह में कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना

दिव्य दिल्ली : शिमला

इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 308 ने जोनल प्रोजेक्ट जोन-1 के अंतर्गत जिला शिमला के आदर्श सुधार गृह, कंडा में एक आधुनिक कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की। यह केंद्र इंडिया विजन फाउंडेशन की संस्थापक और पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ. किरण बेदी की प्रेरणा से साकार हुआ। इस परियोजना का नेतृत्व पास्ट डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन एवं जोनल काउंसलर संगीता त्रेहण और जोनल क्लब कोऑर्डिनेटर रेणु शर्मा ने किया, जिसमें जोन-1 के सभी क्लबों की सक्रिय भागीदारी रही। नवस्थापित कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र में पाँच कंप्यूटर, एक स्मार्ट बोर्ड, एलईडी स्क्रीन, कंप्यूटर टेबल, स्टूल, बेंच और नोटबुक्स की सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसका उद्घाटन डीआईजी अनुपम शर्मा ने किया। इस अवसर पर इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 308 की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती पूजा गोयल और सुधार गृह अधीक्षक सुशील के. ठाकुर (आईपीएस) विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के तहत बंदियों को दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुएँ भी भेंट की गईं, जिनमें टूथब्रश, टूथपेस्ट, स्नान साबुन, शेविंग किट, कंघी, तेल, अंडरगारमेंट्स, सैनिटरी पैड्स और चप्पलें शामिल थीं। सुधार गृह की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और सभी अतिथियों व बंदियों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम के अंत में डीआईजी अनुपम शर्मा और डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन पूजा गोयल ने अपने प्रेरणादायक विचार साझा किए और बंदियों को जीवन में सुधार लाने व समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 308 के विशिष्ट पदाधिकारी किरण जैन, डॉ. मीनाक्षी एस. आनंद, रेनु बालजी, सीमा कपूर और जोन-1 के अंतर्गत आने वाले क्लब – इनरव्हील सोलन, सोलन मिडटाउन, सोलन सिटी, शिमला, शिमला मिडटाउन, शिमला विकासनगर, ठियोग – के अध्यक्ष व सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

दो थाना क्षेत्रों में मुठभेड़, तीन बदमाशों को लगी गोली

आगरा। उत्तर प्रदेश में आगरा जिले के जगदीशपुरा थाना और बरहन थाना की पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। इस दौरान तीन बदमाश पकड़ लिए गए, जबकि एक भागने में सफल रहा। तीनों बदमाशों को गोली लगी है, जिन्हे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।
सहायक पुलिस आयुक्त मयंक तिवारी ने सोमवार को बताया कि थाना जगदीशपुरा क्षेत्र में रविवार की देर रात बिचपुरी-पथौली नहर पर एसओजी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने शटर तोड़कर चोरी करने वाले एक गिरोह को घेर लिया। पुलिस को दो बदमाश गाड़ी से उतरकर भागते हुए पुलिस पर फायरिंग करने लगे।

भारतीय जनता पार्टी नूरपुर की जिला कार्यकारिणी घोषित

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर में भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में नूरपुर जिला भाजपा की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष राजेश काका ने की। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा महामंत्री विहारी लाल शर्मा और महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष वंदना योगी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। घोषित कार्यकारिणी में रूप लाल, रीटा ठाकुर, रवि कुमार, लेखराज शर्मा, सुनील राणा और आदर्श शर्मा को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं कुलदीप डोगरा और राजेश्वर सिंह को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई। पुनीत महाजन को कोषाध्यक्ष और पवन कुमार चौधरी को सह-कोषाध्यक्ष बनाया गया। सचिव पद पर अनू बाला, नीतू कुमारी, रजनी महाजन, अशोक ठाकुर, सुधीर चौधरी और जसविंद्र सिंह को नियुक्त किया गया है। राजेश कौल को कार्यालय सचिव, संजीव पराशर को मीडिया प्रभारी और दीप मोहन राणा को सह-मीडिया प्रभारी बनाया गया। सभ्य लोहटिया को प्रवक्ता, साहिल पदडोत्रा को आईटी संयोजक और जय पठानिया को सह-आईटी संयोजक नियुक्त किया गया।

विधायक नहीं, डीएम बनूंगी- कक्षा चार की छात्रा का जवाब

औरैया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे जिलाधिकारी डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी और सदर विधायक गुड़िया कठेरिया को उस समय हैरानी हुई जब अजीतमल तहसील के सिकरोड़ी गांव की एक मासूम बच्ची ने दृढ़ता से कहा झ "मैं बड़ी होकर डीएम बनूंगी।" यह संवाद सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और हजारों लोग इसे नई पीढ़ी की सकारात्मक सोच मानकर सराहना कर रहे हैं।
चौथी कक्षा में पढ़ने वाली बच्ची ने अपने परिजनों से ज़िद कर डीएम से मिलने की इच्छा जताई थी। डीएम और विधायक के वहां पहुंचने पर बच्ची ने आत्मविश्वास से कहा कि वह भविष्य में जिलाधिकारी बनना चाहती है। जब डीएम ने मुस्कराते हुए कहा कि "बहुत मेहनत करनी पड़ेगी, इससे आसान तो विधायक बनना है," तो बच्ची ने तुरंत जवाब दिया झ "तो क्या हुआ, मेहनत कर लूंगी, पर डीएम ही बनूंगी।"
यह सुनकर मौके पर मौजूद अधिकारी और विधायक स्तब्ध रह गए। बच्ची के आत्मविश्वास और जुनून ने सभी को प्रभावित किया। लोग सोशल मीडिया पर इस वीडियो को शेयर करते हुए कह रहे हैं कि यही है देश का उज्ज्वल भविष्य। डीएम त्रिपाठी ने भी बच्ची को प्रोत्साहित करते हुए उसे मेहनत और ईमानदारी से पढ़ाई करने की सलाह दी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397